

स्टील इंफा सॉल्यूशन कंपनी में श्रमिक की मौत के बाद जांच, मिली ढेरों खामियां

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

हथखोज स्थित मेसर्स स्टील इंफा सॉल्यूशन कंपनी लिमिटेड में 19 अगस्त को हुई दुर्घटना के बाद औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा दुर्घटना स्थल का निरीक्षण कर प्राथमिक जांच की गई। हादसे में सीएनसी हेल्वर राजेश कुमार निर्मलकर (40 वर्ष) की मृत्यु हुई थी। 20 अगस्त को सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के साथ विभागीय अधिकारियों ने कारखाना पहुंचकर दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कारखाना प्रबंधन

के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्राथमिक जांच में कारखाना प्रबंधन की ओर से कई गंभीर सुरक्षा खामियां सामने आईं। जांच में पाया गया कि क्रेन का संचालन सक्षम एवं अधिकृत व्यक्ति से कराने के बजाय अनरिक्लड वर्कर से कराया जा रहा था। क्रेन के संचालन, रखरखाव, पर्यवेक्षण एवं प्रशिक्षण में निर्धारित सुरक्षा नियमों और प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। जांच में यह भी पाया गया कि आई-बीम, क्रेन की चेन एवं अन्य संबंधित उपकरणों का उचित रखरखाव और नियमित निरीक्षण नहीं किया गया था।

नोटिस जारी कर मांगा गया स्पष्टीकरण, ईओटी और हाइड्रा क्रेन के संचालन पर प्रतिबंध

क्रेन की चेन में लगे हुक में सेफ्टी कैच नहीं था उपलब्ध

क्रेन की चेन में लगे हुक में आवश्यक सेफ्टी लैंच, सेफ्टी कैच भी उपलब्ध नहीं पाया गया, जिससे मार के अनियंत्रित रूप से निकलने की संभावना बनी हुई थी। जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि 24 जनवरी को इसी कारखाने में ईओटी क्रेन संचालन के दौरान एक अन्य प्राणीतक दुर्घटना घटित हुई थी। इस मामले में कार्यालय द्वारा न्यायालय में अभियोजन प्रस्तुत किया गया था। इसके बावजूद क्रेन संचालन एवं रखरखाव में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाना गंभीर विषय पाया गया। विभागीय जांच में क्रेन संचालन के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर, श्रमिकों के प्रशिक्षण, पर्यवेक्षण, निरीक्षण एवं सुरक्षा उपकरणों की जांच-परीक्षण व्यवस्था में भी कमियां पाई गईं।



ईओटी और हाइड्रा क्रेन के संचालन पर लगाई रोक

उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा एवं कारखाना निरीक्षक से प्राप्त जानकारी अनुसार श्रमिकों को सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाओं को ध्यान में रखते हुए उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा सहित 2020 की धारा 38(1)(क) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए प्रबंधक को कारखाने में स्थापित स्मरत ईओटी क्रेन एवं हाइड्रा क्रेन का संचालन तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

नोटिस जारी कर मांगा गया स्पष्टीकरण

साथ ही, कारखाना प्रबंधन को निर्देशित किया गया है कि उक्त क्रेनों के सुरक्षित परिचालन के लिए जांच में सामने आई अनियमितताओं के संबंध में सुरक्षा की दृष्टि से अपनाए जाने वाले सभी तकनीकी एवं पर्याप्त सुधारालमक उपार्यों की जानकारी तथा अनिवार्य दस्तावेज तत्काल कार्यालय में प्रस्तुत किए जाएं। प्रतिबंधात्मक आदेश की अवधि में कारखाने में नियोजित समस्त श्रमिकों को देय वेतन एवं अन्य मत्तों का भुगतान निर्धारित तिथि पर करना भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

खबर संक्षेप

पीएम आवास के डिफॉल्टरों की जमा राशि होगी राजसात

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के मोर मकान मोर आस घटक के अंतर्गत निवासरत किरायेदारों व बेघर परिवारों को अंशदान का 10 प्रतिशत राशि जमा कराकर आवासों का आवंटन किया गया है। आवास आवंटन होने के 1 माह उपरांत से लेकर लगातार 9 माह तक 10 प्रतिशत के समान किरतों की राशि को निगम कोष में जमा करना अनिवार्य होगा। इस संबंध में आर्बिटीकी को लॉटरी द्वारा आवास आवंटन के लिए जारी सूचना पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया है। हितग्राही द्वारा प्रदाय चेक लगातार 2 बार बाउन्स होते है या समयावधि में राशि प्रदाय नहीं की जाती है, तो हितग्राही को डिफाल्टर घोषित करते हुए भुगतान की गई प्रथम और द्वितीय किरत की राशि राजसात की जाएगी। जो हितग्राही आबंटन माह से 9 तक अपना पूर्ण बकाया अंशदान राशि निगम कोष में जमा नहीं किए हैं, उनका आवंटन निरस्त किया जाएगा।

जन्माष्टमी महोत्सव पर विविध आयोजन

भिलाई। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 4 सितंबर को श्री राधाकृष्ण मंदिर, गीता भवन सेक्टर-6 भिलाई में आयोजित है। गिरौश गुप्ता ने बताया कि महाभूषेक, झांकी अनावरण, आरती, गीता पाठ सुबह 7.30 बजे, संध्या महाआरती शाम 7 बजे से, सांस्कृतिक कार्यक्रम रात्रि 8 बजे से, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, आरती और प्रसाद वितरण मध्यरात्रि 12 बजे से किया जाएगा।

स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान के लिए बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के पदाधिकारीगण, समस्त ब्लॉक अध्यक्षगण एवं मंडल अध्यक्षगण की बैठक सोमवार को राजीव भवन

- घर जाकर स्मार्ट मीटर हटाने के लिए भरवाए जाएंगे फॉर्म

में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान के दुर्ग ग्रामीण जिला प्रभारी विनोद तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य जिला कांग्रेस की मासिक बैठक के साथ-साथ प्रदेश कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाना तथा अब तक अभियान की गतिविधियों की समीक्षा कर आगामी रणनीति तय



करना था। बैठक में निर्णय लिया गया कि स्मार्ट मीटर हटाओ आंदोलन के तहत घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर हटाने के लिए फॉर्म भरवाने का अभियान मंडल स्तर पर चलाया जाएगा। इसके पश्चात सेक्टर एवं बूथ स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक आम नागरिकों को अभियान से जोड़ा जाएगा।

इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि स्मार्ट मीटर को लेकर आम जनता में लगातार असंतोष देखने को मिल

रहा है। कांग्रेस पार्टी जनता की समस्याओं और अधिकारों की लड़ाई हमेशा मजबूती से लड़ती रही है। स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान को अब गांव-गांव, घर-घर और बूथ स्तर तक पहुंचाना जाएगा। कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक परिवार से संपर्क कर उनकी समस्याओं को समझेंगे और स्मार्ट मीटर हटाने के लिए फॉर्म भरवाएंगे। यह अभियान केवल कांग्रेस का नहीं, बल्कि आम जनता की परेशानी और उसके समाधान की लड़ाई है।

स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान के प्रभारी विनोद तिवारी ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान को व्यापक जनआंदोलन का रूप दिया जाएगा। मंडल, सेक्टर और बूथ स्तर के कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ घर-घर पहुंचकर जनता को स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं के संबंध में जागरूक करेंगे तथा स्मार्ट मीटर हटाने के लिए फॉर्म भरवाएंगे। अभियान की सफलता के लिए संगठन के प्रत्येक स्तर की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। बैठक में प्रमुख रूप से कोषाध्यक्ष विक्रान्त अग्रवाल, प्रभारी महामंत्री राजीव गुप्ता, शमशेर कुंरेशी, अय्यूब खान, विशाल देशमुख, रिवेंद्र यादव, प्रकाश ठाकुर, जामवंत गजपाल, संतलाल बंजारे, रविकान्त गुप्ताकर, लक्ष्मी साहू, करीम खान, पालेश्वर ठाकुर, राजेश मानिकपुरी, कमलेश साहू, उमेश साहू सहित अन्य मौजूद थे।

जिले में 1.21 लाख से अधिक बकेट क्लेम पूर्ण

दुर्ग।जिले में बकेट क्लेम के निराकरण की प्रक्रिया में लगातार प्रगति हो रही है। 27 अगस्त तक जिले में कुल 1,21,878 बकेट क्लेम पूर्ण किए जा चुके हैं। जिले में कुल 4,59,909 बकेट क्लेम दर्ज हैं। तहसील स्तर पर बोरी 57.19 प्रतिशत क्लेम पूर्ण कर जिले में प्रथम स्थान पर है।

धमधा में 49.93 प्रतिशत, अहिरवारा में 39.97 प्रतिशत और पाटन में 38.59 प्रतिशत क्लेम पूर्ण किए जा चुके हैं। विगत चार दिवस में जिले में 931 बकेट क्लेम की प्रगति दर्ज की गई। इसमें पाटन में 426, धमधा में 141, दुर्ग में 137, बोरी में 96, अहिरवारा में 86 तथा भिलाई-3 में 45 क्लेम शामिल हैं। बकेट क्लेम पंजीयन किसानों के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। कलेक्टर ने बकेट क्लेम से संबंधित लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करते हुए पंजीयन की गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर रद्द करने की मांग, भिलाई में कांग्रेसियों का हल्ला बोल

हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

हल्द्वानी में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध दर्ज किए गए एफआईआर को रद्द करने की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में शाम 5 बजे घड़ी चौक, सुपेला में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित हुए और भाजपा के विरोध जमकर नारेबाजी की। चंद्राकर ने राहुल गांधी के विरुद्ध दर्ज किए गए एफआईआर को रद्द करने और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम एक हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सुपेला थाना प्रभारी को सौंपा।

हाथों में एफआईआर रद्द किए जाने की तख्तियां लिए सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित हुए। राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर रद्द किया जाए, मोदी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी, दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई हो, दलितों का अपमान बंद करो आदि जमकर नारे लगाए गए। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करना भाजपा की सोची समझी चाल है। हल्द्वानी में शुद्धिकरण अनुष्ठान के नाम पर



भाजपा ने जो कृत किया है उसे न केवल दलित समुदाय बल्कि पूरा देश आहत है। भाजपा के इस कृत्य के विरुद्ध जब राहुल गांधी ने अपना पक्ष रखा तो भाजपा ने उनके विरुद्ध ही एफआईआर कर दी, इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर रद्द किए जाने तथा दोषियों की विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम एक हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सुपेला थाना के प्रभारी एस एन सिंह को सौंपा। इस दौरान बृजमोहन सिंग, सीजू एंथोनी, केशव चौबे, नंद कुमार कश्यप, निरंजन बिसाई, नरसिंह नाथ, अली हुसैन सिद्दीकी, केशव चौबे, लालचंद वर्मा, अजू अहमद चौहान, शिखा राय, कीर्ति सिंह, रविंद्र सिंह, जितेश बंजारे, मोहम्मद रफीक, दीपक भाटिया, अब्दुल कादिर सिद्दीकी, राजेंद्र रजक, जी राजू, भूपेंद्र यादव, चंद्रशेखर गवई आदि उपस्थित थे।

बीएसपी में ठेका मजदूरों को नहीं मिल रहा कैटीन भत्ता

मंथली इंसेंटिव रिवाइज नहीं होने से कर्मियों में असंतोष

हरिभूमि न्यूज ►►भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में मंथली इंसेंटिव को अब तक रिवाइज नहीं किए जाने से कर्मियों में असंतोष है। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। स्टील एम्लाइज यूनिशन इंटक ने प्रबंधन से जल्द रिवाइज

- इंटक यूनिशन ने महाप्रबंधक के साथ की बैठक

कर 10 हजार रुपए हर महीने प्रदान किए जाने की मांग की है।

बीएसपी के महाप्रबंधक औद्योगिक संबंध राजीव कुमार के साथ यूनिशन के प्रतिनिधिमंडल की हुई बैठक में उत्पादन और उत्पादकता में योगदान देने वाले कर्मियों की उपेक्षा से अवगत करया गया।

स्टील एम्लाइज यूनिशन इंटक के महासचिव संजय कुमार साहू ने बताया कि बीएसपी में मंथली इंसेंटिव स्कीम वर्ष 2007 से लागू है, जिसमें वर्तमान में अधिकतम लगभग 2,100 प्रतिमाह इंसेंटिव दिया जा रहा है। वहीं वर्ष 2007 में संयंत्र की लैबर प्रोडक्टिविटी लगभग 289 टन प्रति व्यक्ति थी, जो वर्तमान में बढ़कर 800 टन प्रति व्यक्ति से अधिक हो चुकी है। इसके बावजूद इंसेंटिव राशि में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है। कर्मचारियों की बढ़ी हुई उत्पादकता और संयंत्र के उत्पादन में उनके योगदान को देखते हुए मंथली इंसेंटिव स्कीम में समयानुकूल संशोधन आवश्यक है। यूनिशन ने प्रबंधन से जल्द इंसेंटिव रिवीजन की प्रक्रिया शुरू कर न्यूनतम 10 हजार रुपए प्रतिमाह इंसेंटिव निर्धारित किए जाने की मांग की।



सीपीएफ में टापअप की मिले सुविधा

सीपीएफ के अस्थायी त्रण में टॉप-अप की सुविधा पुनः शुरू करने की मांग की गई। साथ ही बीएसपी से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए आयोजित विदाई समारोह के लिए बीएसपी के क्लबों को नि:शुल्क उपलब्ध कराने की मांग की गई।यूनिशन ने कर्मचारियों के क्लबों का नियमानुसार रजिस्ट्रेशन कराकर उनके संचालन की जिम्मेदारी संबंधित समिति को सौंपने तथा संयंत्र के अंदर बेस कैटीन को पुनः चालू करने की मांग भी प्रबंधन के समक्ष रखी।

श्रमिकों को मिले भत्ता

बीएसपी के हजारों ठेका मजदूरों को लॉव कार्ड, पेमेंट रिलीफ, ऑनलाइन छुट्टी एवं रात्रि भत्ता, आवास भत्ता, कैटीन भत्ता, साइकिल भत्ता जल्द लागू करने की मांग की गई। श्रमिकों को मिलने वाले निर्धारित वेतन पूर्ण रूप से मिले इसकी व्यवस्था की जाए। इंटक यूनिशन ने कहा कि कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों की सुविधाओं और कल्याण से जुड़े इन मुद्दों का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए, ताकि कर्मचारियों का मनोबल ऊंचा रहे और भिलाई इस्पात संयंत्र की उत्पादन क्षमता, उत्पादकता एवं लामागर्जन को और मजबूती मिले।बैठक में प्रबंधन की ओर से राहुल थोटे, वरिष्ठ प्रबंधक, यूनिशन की ओर से पूरन वर्मा, जी.आर. सुमन, विश्वनाथ सिंह साहू, जे.के. सूर्यवंशी, रेखम राठौर, एस.बी. सिंह, सी.पी. वर्मा, ताम्रध्वज सिन्हा, राजकुमार, दीनानाथ सिंहसावा एवं आर. दिनेश सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।



भाठाकोकड़ी में भोजली महोत्सव आयोजित

धमधा। ग्राम भाठाकोकड़ी में भोजली महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वीरांगना रानी अवन्ति बाई लोधी के मूर्ति की पूजा-अर्चना कर की गई। कार्यक्रम में किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. जोहान वर्मा, पूर्व जनपद सदस्य धमधा ने की। वहीं रकुम वर्मा, ग्राम पटेल एवं जितेंद्र कुमार पटेल, सरपंच प्रतिनिधि भाठाकोकड़ी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

भोजली महोत्सव में विभिन्न प्रतिभागियों ने अपनी भोजली का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को लोधी समाज की ओर से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गायत्री वर्मा, पिता प्रदीप वर्मा, द्वितीय स्थान त्रिवेणी वर्मा, पति चंद्र वर्मा तथा तृतीय स्थान राधा वर्मा, पिता मुकेश वर्मा ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल ने वीरांगना रानी अवन्ति बाई लोधी के आदर्शों, साहस और नीतियों को याद करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम में किसुन वर्मा, देवेंद्र वर्मा, नरेश वर्मा, निर्भय वर्मा, द्वारिका वर्मा, धनेश वर्मा, नरोत्तम वर्मा, ब्यास वर्मा, तामेश्वर चंदेल, दशरथ वर्मा, काशी वर्मा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पिथेलेस साहू ने किया।

संस्कृत दिवस मनाया



पाटन। शासकीय हाई स्कूल गुजरा में संस्कृत दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष बच्चों को भारतीय संस्कृति पर आधारित कविता भाषण प्रस्तुत किया। बच्चों ने अतिथि देवो भव और वासुदेव कुटुंबकम का संदेश दिया। कार्यक्रम में बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में नमस्ते प्रणाम और सहयोग जैसे संस्कारों को नाटक के माध्यम से दिखाए पोस्टर प्रदर्शन की में बच्चों द्वारा बनाए गए चित्र आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर प्राचार्य कवीन, पालक समिति के अध्यक्ष यशवंत साहू, शिक्षकगण-शिवनारायण नारंग, अमित भारती, गगन धुरंधर, अनुराधा, लक्ष्मी चंद्रकार, अर्चना बाजड़ आदि उपस्थित थे।

डीएवी नंदिनी माइंस में जोनल स्पोर्ट्स मीट शुरू
दुर्ग। डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, नंदिनी माइंस में दो दिवसीय डी.ए.वी. स्पोर्ट्स मीट - जोनल स्तर (अंडर-17) छत्तीसगढ़ जोन की शुरुआत रविवार को हुई। इस खेल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ जोन के विभिन्न डी.ए.वी. विद्यालयों के विद्यार्थी कबड्डी एवं योग प्रतियोगिताओं में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास करना है। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से चयनित बालक एवं बालिका खिलाड़ी उत्साहपूर्वक सहभागिता करेंगे। शाला प्रभात दिनेश कुमार जाधव ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ-साथ उनके मानसिक एवं भावनात्मक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कबड्डी जैसे साप्ताहिक खेल विद्यार्थियों में सहयोग, नेतृत्व और टीम भावना का विकास करते हैं।

निधन

भगवन्ती देवी

भिलाई। तालपुरी निवासी भगवन्ती देवी (86 वर्ष) का 30 अगस्त को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार 1 सितंबर को शिवनाथ नदी के तट पर किया जाएगा। सुबह 10.30 बजे उनके निवास स्थान से अंतिम यात्रा प्रारंभ होगी। वे भिलाई इस्पात संयंत्र से सेवानिवृत्त मध्यप्रबंधक सुशील कुमार सिंह, उषा सिंह की मां, सोरभ सिंह और वैभव सिंह की दादी थीं।

नारी शक्ति को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी : कीर्ति नायक

हरिभूमि न्यूज़ ►► सेलूद/पाटन

तीज पर्व के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ झेरिया महार/महिला समाज मंडल पंजीकृत शाखा के तत्वावधान में देवांगन भवन, पाटन में तीज मिलन समारोह एवं नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक शामिल हुईं। उन्होंने उपस्थित माताओं-बहनों को तीज पर्व की शुभकामनाएं देते हुए नारी शक्ति, सामाजिक एकता और संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। तीज मिलन समारोह में पारंपरिक संस्कृति और नारी शक्ति की सुंदर झलक देखने को मिली। महिलाओं ने उत्साह और उमंग के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। समारोह के माध्यम से महिला सम्मान, सामाजिक एकता, सांस्कृतिक संरक्षण और नारी सशक्तिकरण का प्रभावी संदेश दिया गया।

उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा सरकारी दूरसंचार सेवा का पूरा लाभ

पाटन क्षेत्र में बढहाल पड़े बीएसएनएल के टॉवर देखरेख के अभाव में मशीनरी हो रही कबाड़

हरिभूमि न्यूज़ ►►पाटन

केंद्र सरकार द्वारा आम जनता को सस्ती और बेहतर दूरसंचार सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित भारत संचार निगम लिमिटेड के पाटन क्षेत्र में लगाए गए टावरों की स्थिति इन दिनों चिंता का विषय बनी हुई है। क्षेत्र में करीब 22 स्थानों पर बीएसएनएल के टावर स्थापित किए गए हैं, लेकिन इनमें से कई टावर उचित देखरेख और रखरखाव के अभाव में खराब हालत में पहुंच चुके हैं। कई टावर परिसरों में साफ-सफाई नहीं होने के कारण बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई हैं, जिससे पूरा परिसर जंगलनुमा दिखाई देने लगा है।

स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि बीएसएनएल की ओर से कुछ स्थानों पर 4जी सेवा उपलब्ध कराई गई है, लेकिन नेटवर्क की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं होने के कारण इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। कई जगह नेटवर्क कमजोर होने से उपभोक्ताओं को कॉल करने और इंटरनेट सेवा का उपयोग करने में परेशानी होती है।

लाखों की मशीनरी खराब होने का खतरा
बीएसएनएल के टावरों पर लाखों रुपये की लागत से मशीनरी और अन्य उपकरण लगाए गए हैं। यदि समय रहते इनका रखरखाव और मरम्मत नहीं की गई तो उपकरण खराब होकर कबाड़ में तब्दील हो सकते हैं। इससे सरकारी संपत्ति को नुकसान होने के साथ ही उपभोक्ताओं को मिलने वाली दूरसंचार सुविधा भी प्रभावित होगी। कई टावर परिसरों में लंबे समय से साफ-सफाई नहीं होने की बात सामने आ रही है। झाड़ियों के बढ़ जाने से न केवल उपकरणों के रखरखाव में परेशानी हो सकती है, बल्कि टावर परिसरों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।



निजी कंपनियों से पिछड़ रहा बीएसएनएल

एक ओर निजी दूरसंचार कंपनियां लगातार अपने नेटवर्क का विस्तार कर उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ा रही हैं, वहीं दूसरी ओर बीएसएनएल के पुराने बुनियादी ढांचे और टावरों के रखरखाव की स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि बीएसएनएल की सेवाएं कई मामलों में किफायती होने के बावजूद नेटवर्क और सेवा की गुणवत्ता बेहतर नहीं होने के कारण लोग निजी कंपनियों की ओर रुख कर रहे हैं।

दिसंबर 2026 तक 5जी सेवा की तैयारी लेकिन मौजूदा ढांचा चिंताजनक

बीएसएनएल द्वारा देश में 5जी सेवा शुरू करने की दिशा में तैयारियों की जा रही हैं। ऐसे में पाटन क्षेत्र में पहले से स्थापित टावरों और नेटवर्क व्यवस्था की मौजूदा स्थिति को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि मौजूदा टावरों की समय पर मरम्मत, रखरखाव और साफ-सफाई नहीं की गई तो भविष्य में नई तकनीक का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में श्रमजीवी पत्रकार संघ की पहल

हरिभूमि न्यूज़ ►►पाटन

छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई दुर्ग के निर्देशाुसार श्रमजीवी पत्रकार संघ अमलेश्वर ब्लॉक इकाई के तत्वावधान में झोट स्थित धान खरीदी केंद्र में पौधारोपण

- झोट धान खरीदी केंद्र में किया पौधारोपण



मित्र समिति के अध्यक्ष डॉ. अश्वनी साहू, ग्राम पंचायत सरपंच रूपेंद्र राजु साहू और प्राधिकृत अध्यक्ष धर्मेन्द्र कौशिक उपस्थित रहे। श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाया गया यह कदम सराहनीय रहा। कार्यक्रम में सेवा सहकारी समिति मर्यादित झोट के समिति प्रबंधक पुरुषोत्तम सिन्हा एवं समस्त कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर ललित साहू जिला अध्यक्ष दुर्ग, विक्रम सिंह

// आम सूचना //

मैं अपने पक्षकारण से प्राप्त अधिकार व नियंत्रण पर आम जनता को सुचित किया जाता है कि हुए नारायण अग्रवाल आ. भरतलाल अग्रवाल उम्र 78 वर्ष निवासी - म.नं. 457, कायन्त्री नगर, दुर्ग (छ.ग.) के स्वाभिव्य एवं आभिव्य की भूमि मीठा जेरा, प.ह.नं. 07, तह. व जिला - दुर्ग में स्थित खसरा नं. 574 रकबा 1.2600 हे. स्थित है, जक भूमि की सीमा उत्तर-ख. नं. 214/1-223, दक्षिण-धरारा: पूर्व-ख.नं. 573, पश्चिम - ख. नं. 575 / 1,2,3 हे। उपरोक्त भूमि को मेरे पक्षकारण द्वारा भूमिस्वामी ध्रुप नारायण अग्रवाल से क्रय करने का पक्का सोदां कर अंतिम राशि गवाहों के सम्मक्ष प्रदान कर इकरारनामा का निष्पादन किया गया है इकरारनामा की शर्तों के अनुसार मेरे पक्षकारण अपने नाम में शेष प्रतिलिपि की राशि अल कर किन्तु पंजीवन करवाया जना है। अतः उपरोक्त सत्यवाहक अथवा उसके किसी भाग के सत्य अथ वहित अथवा आभिव्य के संबंध में किसी किसी भी व्यक्ति, संस्था, निगम, निगम, बैंक व किसी परिभाषिक सदस्य या किसी अन्य को, किसी भी प्रकार से उत्तर, सारिग या क्षमा हो जो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर मेरे अपेक्षितिक पक्ष एवं पक्ष पक्षकारण उपस्थित होकर आवृत्ति एवं करणों, बादा भावद अथवा अपेक्षित मेरे पक्षकार के उपरोक्त एकरावद्ध में किसी भी प्रकार से बंधकारी अथवा अप्रभावकारी नहीं होगा तथा मेरा पक्षकार उस सर्वाधिक संस्ती का कैनाम पंजीवन जाने पक्ष में करवले में स्वच्छ होगा। उपरोक्तनुसार सर्व साधारण सुचित हो। उपरोक्तनुसार सर्व साधारण सुचित हो। दुर्ग, दिनांक 31/08/2026

(भगत दास रंजव) अधिवक्ता
आ. एवं नि. सिस्ता रंज केकरिका भिलाई
मो.: 7987057743, 9300673466

मिलाई हरिभूमि 11

तीज मिलन एवं नारी सशक्तिकरण समारोह, संस्कृति, एकता और महिला सम्मान का दिया प्रभावी संदेश

सशक्त महिला, सशक्त परिवार और सशक्त समाज की आधारशिला है



रही है। आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें समान अवसर, सम्मान और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिले। जब एक महिला आत्मनिर्भर और सशक्त होती है, तो उसका प्रभाव केवल उसके परिवार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज मजबूत होता है।

अपने संबोधन में कीर्ति नायक ने कहा कि तीज केवल पर्व नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और नारी शक्ति का उत्सव है। हमारी माताएं और बहनें अपनी परंपराओं, संस्कारों और संस्कृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। ऐसे आयोजन महिलाओं को एक मंच पर लाकर आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि आज की नारी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। महिलाएं राजनीति, शिक्षा, प्रशासन, व्यवसाय और सामाजिक क्षेत्र में अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन कर

संस्कृति के संरक्षण के साथ महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

कीर्ति नायक ने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएं हमारी पहचान हैं, जिन्हें संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। तीज जैसे पर्व महिलाओं के जीवन में उमंग और उत्साह भरने के साथ सामाजिक रिश्तों को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने महिलाओं से अपनी प्रतिभा, क्षमता और अधिकारों को पहचानकर समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुमन मेघशान पार्षद, वार्ड क्रमांक 8 दुर्ग ने की। वहीं ममता विजय गौतम एवं संस्था हरे अतिथि विशिष्ट के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में क्षेत्र की समस्त स्वजातीय निर्वाचित महिला सरपंचों सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता निभाई।

स्कूली छात्राओं ने सीआईएसएफ के जवानों को बांधी राखी



हरिभूमि न्यूज़ ►► उतई

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 उतई की छात्राओं ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों को राखी बांधी।

प्राचार्य चंद्र किरण साहू के संरक्षण एवं व्याख्याता किरण शर्मा के मार्गदर्शन में रीजनल ट्रेनिंग सेंटर के जवानों को लगभग 30 छात्राओं ने राखी बांध कर खुशियां मनाईं। कमांडेंट एम. नौरम सीएचए ने इस अवसर पर कहा कि यह भाई बहन के प्यार और स्नेह का ल्योहार है। हम जवानों के लिए हर पल खतरों से

भरा रहता है ऐसी परिस्थिति में बहनों का यह प्यार प्रेम भाव एवं आशीर्वाद ही जीवन की रक्षा करता और हौसला बढ़ाता है। किरण शर्मा ने रक्षा बंधन के पावन पर्व के महत्व पर अपने विचार रखे।

इस अवसर पर आरआई मनोज कुमार और गोविंद वासिबाल सहित 100 जवानों की कलाई पर स्कूली छात्राओं ने रक्षा सूत्र बांधा। इस पूरे आयोजन में व्याख्याता अंजना, संतोष साहू एवं स्कूली छात्राओं में पल्लवी, एकता भैरवी , मुस्कान, मेघा, स्वाति लक्ष्मी, चेतना, मनीषा, निमिषा, नम्रता एवं अन्य ने अपनी भागीदारी दी।

आरएसएस सेलूद मंडल ने मनाया रक्षाबंधन उत्सव

सेलूद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सेलूद मंडल ने रक्षाबंधन उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रभावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खेमलाल साहू जी ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि समाज में आपसी विश्वास, एकता और समरसता को मजबूत करने का संदेश देने वाला पर्व है। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए उपस्थित स्वयंसेवकों ने अधिक से अधिक पौधारोपण करेंगे, पेड़-पौधों की देखभाल करेंगे तथा पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संघ के स्वयंसेवक एवं स्थानीय गणमाध्यजन उपस्थित रहे। उक्त अवसर पर खेमलाल साहू, रमेश देवांवन, योगेश सोनवानी, जयप्रकाश साहू, शुभम सोनवानी, भावेश यदु, वंश देवांगन, जयदीप साहू, विकास बारले, नितिन साहू और भावेश साहू आदि मौजूद थे।



बीमारी को न्योता दे रहा आंगनबाड़ी के पास जमा गंदा पानी

हरिभूमि न्यूज़ ►►निकुम

ग्राम पंचायत निकुम की उदासीनता के चलते आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 के पास बारिश का पानी गड्ढे में जमा हो रहा है। जलभराव और कीचड़ के बीच से होकर नौनिहाल बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचना पड़ रहा है। गंदे पानी के जमाव से मच्छरों के साथ जहरीले कीड़े-मकोड़ों का खतरा भी बना हुआ है, जिससे बच्चों के अभिभावक चिंतित हैं। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चे पढ़ाई के साथ खेलकूद और भोजन भी करते हैं। ऐसे में केंद्र के आसपास की बढहाल स्थिति बच्चों



की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर सवाल खड़े कर रही है। कई परिजन बच्चों को केंद्र भेजने में भी घबराने लगे हैं। इसी स्थान पर बारिश के दौरान मजबूरी में शुक्रवार की हाट बाजार भी लगता है, जिसके चलते आम लोगों को भी कीचड़ और गंदे पानी के बीच सब्जी भाजी खरीदनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि आंगनबाड़ी केंद्र तक

HEALTH TOWN

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

डॉ. सी.पी.सिंह

डॉ. नीलीला सिंह

भारस्कर आई केयर

डॉ. दिलीप लालवानी

डॉ. अभिशेक गवरी

पाइल्स

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

साकेत नगर-कोहका में 99.87 लाख की स्वीकृति के बाद भी निर्माण अधूरा अधूरी सड़क और नाली निर्माण से परेशान लोगों का फूटा गुस्सा, धरना-प्रदर्शन कर दी चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज़ ►► मिलाई

साकेत नगर, कोहका में वर्षों से जर्जर सड़क और अधूरे नाली निर्माण से परेशान लोगों का गुस्सा सोमवार को सड़क पर फूट पड़ा। साकेत नगर विकास समिति के नेतृत्व में रहवासियों ने धरना-प्रदर्शन कर नगर निगम से अधूरे निर्माण कार्य को तत्काल शुरू कराने की मांग की। लोगों का कहना है कि मुख्य सड़क होने के कारण यहां दिनभर आवाजाही रहती है, लेकिन सड़क की बदहाली के कारण आए दिन लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं।

सबसे ज्यादा परेशानी सड़क नंबर-2 पर है। बारिश के दिनों में सड़क पर बने गड्ढों में पानी भर जाता है। पानी और गड्ढों के कारण राहगीरों को सड़क पार करने में परेशानी होती है। रहवासियों के मुताबिक कई लोग जर्जर सड़क के कारण गिरकर घायल भी हो चुके हैं। साकेत नगर में करीब 200 परिवार निवास करते हैं। रहवासियों का कहना है कि सड़क की समस्या कोई नई नहीं है। कई वर्षों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है। समस्या के स्थायी समाधान के लिए क्षेत्र के लोगों ने बैठक कर नगर निगम में करीब 1 करोड़ 80 लाख रुपए विकास शुल्क जमा कराया था। रहवासियों ने निगम से मांग की थी कि जमा राशि में से करीब एक करोड़ रुपए की स्वीकृति सड़क और क्षेत्र के विकास के लिए दी जाए। इसके बाद सड़क और नाली निर्माण का काम स्वीकृत हुआ।

ढेकेदार द्वारा अधूरा निर्माण पर वाईवासियों में आक्रोश व्याप्त

70 फीसदी काम के बाद टप हुआ निर्माण

रहवासियों के मुताबिक निर्माण का टेंडर ठेकेदार भावेश ठाकुर को मिला था। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद करीब 70 फीसदी काम पूरा किया गया, लेकिन इसके बाद काम रोक दिया गया। इससे सड़क का एक हिस्सा अधूरा रह गया और लोगों को परेशानी और बढ़ गई। साकेत नगर विकास समिति के अध्यक्ष प्रदीप साहू ने बताया कि निर्माण कार्य को दोबारा शुरू कराने के लिए वैशाली नगर विधायक और नगर निगम आयुक्त को पत्र सौंपा गया है। धरना-प्रदर्शन के दौरान रहवासियों ने साफ चेतावनी दी कि यदि सड़क और नाली का अधूरा निर्माण जल्द शुरू नहीं कराया गया तो वे चुनाव बहिष्कार का निर्णय ले सकते हैं। लोगों का कहना है कि वर्षों से समस्या झेलने के बाद भी यदि समाधान नहीं हुआ तो अब वे आंदोलन को और तेज करेंगे।



99.87 लाख की मिली है स्वीकृति

साकेत नगर विकास समिति के अध्यक्ष प्रदीप साहू के मुताबिक ठेकेदार ने यह काम 26.02 प्रतिशत बिलो रेट पर लिया था। उनका कहना है कि इस राशि के साथ पूर्व में जमा बची राशि का उपयोग भी क्षेत्र के अधूरे विकास कार्यों को पूरा करने में किया जाना चाहिए। समिति की ओर से मांग की गई है कि सड़क और नाली निर्माण को व्यवस्थित तरीके से पूरा किया जाए, ताकि बारिश में जलभराव की समस्या खत्म हो और लोगों को आवागमन में राहत मिल सके। साकेत नगर, कोहका में आरसीसी नाली और आरसीसी रोड निर्माण के लिए 99.87 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी आरआर कंस्ट्रक्शन को दी गई है। अब रहवासियों का सवाल है कि जब सड़क और नाली निर्माण के लिए राशि स्वीकृत हो चुकी है और काम का बड़ा हिस्सा पूरा भी किया जा चुका है, तो बाकी काम कब शुरू होगा।

सड़क नंबर-2 और 3 में जलभराव

रहवासियों के अनुसार नाली का निर्माण हो जाने के बावजूद सड़क नंबर-2 और 3 में जलभराव की समस्या बनी हुई है। सड़क नंबर-2 में गड्ढों के कारण बारिश का पानी जमा हो जाता है। मुख्य मार्ग होने के कारण इस सड़क पर लगातार लोगों और वाहनों की आवाजाही रहती है, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। लोगों ने मांग की है कि सड़क और नाली निर्माण के लिए अलग-अलग टीम लगाकर काम में तेजी लाई जाए। समिति की ओर से पहले सड़क नंबर-6 का काम पूरा कराने और इसके बाद सड़क नंबर-2 से बालाजी होटल मार्ग तक का कार्य कराने की मांग भी की गई है।



भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

*Zindagi ke saath bhi,
Zindagi ke baad bhi.*



Shrikant Jain
आपका Health & Wealth Partner

भरोसा सुरक्षा समृद्धि

आपका Health & Wealth Partner

98271-16933
94791-74525

Plot-1, Street-20, Smriti Nagar, Bhilai

भारतीय जीवन बीमा निगम



70 Years
Our Journey, Your Trust.
हमारा सफर, आपका विश्वास.

सात दशकों से विश्वास, सुरक्षा और आर्थिक मजबूती का पर्याय बना LIC

1 सितंबर 1956 को अस्तित्व में आया भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) 1 सितंबर 2026 को अपनी स्थापना के 70 वर्ष पूरे कर रहा है। देश में जीवन बीमा को व्यापक स्तर पर पहुंचाने और लोगों को उचित लागत पर वित्तीय सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गठित LIC ने सात दशकों की यात्रा में करोड़ों परिवारों के जीवन में सुरक्षा और भरोसे की मजबूत नींव रखी है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर महानगरों तक पहुंच बनाने वाला LIC आज भी भारतीय जीवन बीमा क्षेत्र की एक प्रमुख संस्था के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है।

1956 में हुई थी LIC की स्थापना

स्वतंत्रता के बाद भारत में जीवन बीमा क्षेत्र को अधिक व्यवस्थित और व्यापक बनाने की आवश्यकता महसूस की गई। 19 जनवरी 1956 को भारत में जीवन बीमा व्यवसाय का राष्ट्रीयकरण किया गया। इसके बाद संसद ने 19 जून 1956 को जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 पारित किया और 1 सितंबर 1956 को भारतीय जीवन बीमा निगम अस्तित्व में आया। उस समय 245 भारतीय और विदेशी बीमा कंपनियों तथा भविष्य निधि समितियों को मिलाकर LIC का गठन किया गया था। सरकार की ओर से प्रारंभिक पूंजी के रूप में 5 करोड़ रुपये का योगदान किया गया था। LIC की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य जीवन बीमा को देश के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना था। विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उचित लागत पर वित्तीय सुरक्षा उपलब्ध कराना इसके मूल उद्देश्यों में शामिल रहा।

सात दशकों की यात्रा

में लगातार बढ़ा विश्वास

1956 में जब LIC ने अपनी यात्रा शुरू की थी, तब उसके पास कॉरपोरेट कार्यालय के अलावा 5 जोनल कार्यालय, 33 मंडल कार्यालय और 212 शाखा कार्यालय थे। समय के साथ संस्था ने अपने नेटवर्क का विस्तार किया और देश के अलग-अलग हिस्सों में जीवन बीमा की पहुंच बढ़ाई। सात दशकों की इस यात्रा में LIC ने बदलते समय के साथ खुद को भी बदला। पारंपरिक बीमा सेवाओं के साथ-साथ आधुनिक तकनीक, डिजिटल सेवाओं और ग्राहक-केंद्रित सुविधाओं को अपनाकर संस्था ने नई पीढ़ी की आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी कार्यप्रणाली विकसित की है।

सिर्फ बीमा नहीं, परिवार की

आर्थिक सुरक्षा का भरोसा

जीवन बीमा का उद्देश्य केवल किसी अनहोनी की स्थिति में आर्थिक सहायता देना नहीं है। यह परिवार के भविष्य की वित्तीय योजना का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। LIC की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सुरक्षा, बचत, निवेश, पेंशन और अन्य वित्तीय जरूरतों के लिए समाधान उपलब्ध कराए जाते हैं। एक परिवार के लिए जीवन बीमा भविष्य की अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक सहारा बन सकता है। बच्चों की शिक्षा, परिवार की आर्थिक सुरक्षा, सेवानिवृत्ति के बाद की जरूरतें और भविष्य के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए बीमा योजना तैयार करना आज के समय में महत्वपूर्ण हो गया है।

गांव-गांव तक पहुंचाने में रही

महत्वपूर्ण भूमिका

LIC की स्थापना के समय ही ग्रामीण क्षेत्रों तक जीवन बीमा पहुंचाना प्रमुख उद्देश्य था। इसी सोच के साथ संस्था ने समय के साथ अपने शाखा और सेवा नेटवर्क का विस्तार किया।

शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण और छोटे कस्बों में भी लोगों को जीवन बीमा के महत्व के बारे में जागरूक करने में LIC की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बीमा के माध्यम से लोगों में नियमित बचत और भविष्य के लिए वित्तीय तैयारी की सोच को बढ़ावा मिला।

बदलते दौर के साथ

डिजिटल हुआ LIC

आज का ग्राहक तेज, सरल और सुविधाजनक सेवाएं चाहता है। इसे ध्यान में रखते हुए LIC ने भी अपनी सेवाओं में डिजिटल तकनीक को शामिल किया है। ग्राहक सेवाओं को ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराने के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म और मोबाइल आधारित सुविधाओं का विस्तार किया गया है। LIC ने अप्रैल 2026 में ग्राहकों के लिए MyLIC App तथा बिक्री नेटवर्क के लिए Super Sales Saathi App शुरू किए। यह कदम डिजिटल और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं की दिशा में संस्था की निरंतर बदलती कार्यप्रणाली को दर्शाता है।

2022 में शेयर बाजार

में भी हुआ प्रवेश

LIC की यात्रा में वर्ष 2022 भी महत्वपूर्ण रहा। निगम का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (IPO) आया और 17 मई 2022 को LIC के शेयर BSE और NSE पर सूचीबद्ध हुए। इससे LIC की कॉर्पोरेट यात्रा का एक नया अध्याय शुरू हुआ। यह परिवर्तन उस संस्था की बदलती भूमिका को दर्शाता है, जिसने परंपरागत जीवन बीमा कंपनी से आगे बढ़ते हुए आधुनिक वित्तीय संस्थान के रूप में भी अपनी पहचान मजबूत की है।

देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान

LIC केवल पॉलिसीधारकों को बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने वाली संस्था नहीं है, बल्कि लंबे समय से देश की आर्थिक गतिविधियों में भी योगदान देती रही है। लोगों की बचत को वित्तीय प्रणाली के माध्यम से उत्पादक क्षेत्रों तक पहुंचाने में जीवन बीमा क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है।

जनदर्शन में नागरिकों ने रखी समस्याएं

मिलाई। नगर पालिक निगम मिलाई में नागरिकों की समस्याओं और मांगों के त्वरित निराकरण के लिए आयोजित होने वाले साप्ताहिक जनदर्शन में सोमवार



को 7 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। निगम समागार कक्ष में आयोजित जनदर्शन में उपस्थित नरेंद्र कुमार बजारे ने नागरिकों की शिकायतें और मांगें सुनीं। नागरिकों ने मूलभूत सुविधाओं, विकास कार्यों सहित विभिन्न व्यक्तिगत समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

उपयुक्त ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवेदनों का परीक्षण करने के निर्देश दिए। निगम प्रशासन के अनुसार जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को भेजा जाता है। अधिकारी शिकायत की वस्तुस्थिति की जांच करते हैं और आवश्यकता होने पर मैसे का निरीक्षण कर समस्या के समाधान की कार्यवाही करते हैं।

online Booking- www.tripuryatra.com

स्लीपर मात्र 10,900/-

संयुक्त, मिलासपुर, चम्पा, समरपुर से होकर

स्पेशल ट्रेन
18 सितंबर से 25 सितंबर 2026 (8 दिन)

गंगा सागर यात्रा
गंगा सागर, श्री जगन्नाथ पुरी, माँ कामाख्या देवी, कोलकाता (दक्षिणेश्वर काली मंदिर, कालीघाट काली मंदिर, बेलूर मठ)

ऑफर राशि: स्लीपर 18,900/-, 3 एसी-18,500/-, 2 एसी 23,500/- (-5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

संपर्क करें:- 7354-411411



जीवन के साथ भी, जीवन के बाद भी
विश्वास • अनुभव • प्रतिबद्धता



श्री सुनील कुमार साहू
(वित्तीय सलाहकार) **गोल्डेंसी क्लब सदस्य**

11 बार MDRT
1 बार COT

जोबाइल: 9098540523, 8827328234
ईमेल: Sunil14ksahu@gmail.com

मेरी उपलब्धियां

- 11 बार MDRT (USA) के सदस्य
- 1 बार COT (USA) के सदस्य
- लगातार 11 वर्षों तक चैम्पियन क्लब के सदस्य
- 20 वर्षों का वित्तीय सलाहकार का अनुभव
- 16 वर्षों से जीवन बीमा सलाहकार के रूप में कार्यरत
- 6 बार स्वर्ण पदक विजेता

हम आपकी आज की सुरक्षा करते हैं • ताकि आपका कल समृद्ध और कल सुरक्षित हो
आज की योजना, आपके सुरक्षित और समृद्ध कल के लिए

कई देरों में समर्पित - **पूरी, निष्ठा, समर्पण एवं, समर्पण और अन्य कई देरों में**

आप मुझे क्या पूछें ?

- हजारों परिवारों का विश्वास
- हर जरूरत के लिए व्यक्तिगत सलाह
- आपकी वित्तीय सुरक्षा के लिए 100% प्रतिरत प्रतिबद्धता
- वैधिक दृष्टि पर ध्यान के लिए योजनाएं

*All Postal Services NSC, KVP, MIS TD *All Type Claim Settlement Services

भारतीय जीवन बीमा निगम
70वां स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं...



N.H. Khan
विकास अधिकारी
भारतीय जीवन बीमा निगम
सो:- 9098745897

बीमा आग्रह की विषय वस्तु है, अपना बीमा अवश्य करवाएं... जीवन को सुखमय बनाएं...

Branch-2, Chouhan Estate, Supela, Bhilai (C.G.)

शिक्षित युवाओं हेतु सुनहरा अवसर
ग्रामीण वृत्तिक अभिकर्ता हेतु भर्ती अभियान

अपना बॉस स्वयं बनें...

योग्यता: 10 वीं पास और अधिक
आयु: न्यूनतम 18 वर्ष और अधिक

LIC से जुड़ने के लिए अब ही कल करें...

विशेष महिला अभिकर्ता भर्ती अभियान

प्रथम वर्ष 7,000/- प्रतिमाह
द्वितीय वर्ष 6,000/- प्रतिमाह
तृतीय वर्ष 5,000/- प्रतिमाह

योग्यता: 10 वीं पास। उम्र-18 से 35 वर्ष
फुल टाइम और पार्ट टाइम
अपेक्षित वार्षिक आय: 24 लाख

24 जीवन एवं 48,000/- प्रथम वर्ष कमीशन (बोनस के अलावा) मासिक समीक्षा

LIC भर्ती अभिकर्ता के माध्यम से भर्ती की जाएगी... अपने कैरियर को उड़ान देने का एक सुनहरा मौका

तमोश्वर तुरको
विकास अधिकारी
भारतीय जीवन बीमा निगम
9406425442, 7247688992

बीमा सखी
महिला सशक्तिकरण एवं आर्थिक स्वतंत्रता की ओर पहला कदम

LIC के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नियर एक्सिस बैंक, न्यू आदर्श नगर, महाराजा चौक, दुर्ग (छ.ग.)

1 सितंबर

जीवन बीमा सुरक्षित जीवन
भविष्य की योजना सुनिश्चित कल
विश्वास की परंपरा आज और हमेशा
समृद्धि की ओर हमारा संकल्प

LIC स्थापना दिवस
1 सितंबर की हार्दिक शुभकामनाएं

गृहणी, छात्राएँ व प्राइवेट जॉब वाली एवं बेरोजगार महिलाओं के लिए फुल टाइम जॉब

भारत की एक मात्र सरकारी जीवन बीमा संस्था में **बीमा सखी** योजना

आय सीमा 18 से 70 वर्ष तक

मासिक वेतन के साथ - साथ आकर्षक कमिशन भी!

प्रथम वर्ष 7000/- प्रति माह
द्वितीय वर्ष 6000/- प्रति माह
तृतीय वर्ष 5000/- प्रति माह

पूरा टाइम और पार्ट टाइम
जल्दी कीजिए मौका हाथ से छूट ना जाए...

मधुसूदन यादव
विकास अधिकारी, भारतीय जीवन बीमा निगम
आज ही संपर्क करें: 98279-14377

शिक्षित युवाओं एवं युवतियों के लिए सुनहरा अवसर
1 सितंबर अभिकर्ता, बीमा सखी ग्रामीण वृत्तिक अभिकर्ता हेतु भर्ती अभियान

अपना बॉस स्वयं बनें...

योग्यता: 10 वीं पास और अधिक, आयु: न्यूनतम 18 वर्ष और अधिक

विशेष महिला अभिकर्ता भर्ती अभियान

प्रथम वर्ष 7000/- प्रतिमाह
द्वितीय वर्ष 6000/- प्रतिमाह
तृतीय वर्ष 5000/- प्रतिमाह

योग्यता: 10 वीं पास, उम्र 18 वर्ष
फुल टाइम और पार्ट टाइम
24 जीवन एवं 48,000/- प्रथम वर्ष कमीशन (बोनस के अलावा) मासिक समीक्षा

LIC अभिकर्ता के माध्यम से भर्ती की जाएगी... अपने कैरियर को उड़ान देने का एक सुनहरा मौका

बीमा सखी योजना
महिला सशक्तिकरण एवं आर्थिक स्वतंत्रता की ओर पहला कदम

SAURABH CHANDRAKAR
विकास अधिकारी
भारतीय जीवन बीमा निगम
9893263943, 8959874775



लाइव इवेंट

अनुशासन के साथ सीखने की ललक जरूरी, शिक्षा नीति से कराया परिचित



भिलाई। महाविद्यालय में प्रवेश केवल पढ़ाई की शुरुआत नहीं, बल्कि अपने सपनों को आकार देने और व्यक्तित्व को निखारने की नई यात्रा भी है। इसी भावना के साथ भिलाई महिला महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्राओं के लिए स्वागत एवं परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। छात्राओं का तिलक लगाकर और पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया। नए परिवेश में मिले इस अपनत्व से छात्राओं के चेहरों पर उत्साह और खुशी नजर आई। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रकोष्ठ एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस कार्यक्रम के द्वारा छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल भावना, उद्देश्यों और उच्च शिक्षा में इसकी उपयोगिता से परिचित कराना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रतिभा छाया क्लॉडियस ने की। उन्होंने नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश उनके शैक्षणिक जीवन की नई और महत्वपूर्ण यात्रा का शुभारंभ है। उन्होंने छात्राओं को अनुशासन, नियमितता, सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की आदत के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बदलते दौर के अनुसार खुद को तैयार करें

मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उराई, दुर्ग ने एनईपी को जानें विषय पर छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न आयामों की जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि कौशल, ज्ञान और रचनात्मक सोच के साथ भविष्य के लिए तैयार होना है। उन्होंने छात्राओं को कौशल विकास, बहुविषयक शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान और रोजगारपरक शिक्षा के अवसरों की जानकारी दी। साथ ही बदलते शैक्षणिक और व्यावसायिक परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे। शिक्षकों ने नवप्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, विभिन्न गतिविधियों और उपलब्ध अवसरों से परिचित कराया। इससे छात्राओं को नए शैक्षणिक परिवेश को समझने और अपनी रूचि के अनुसार आगे बढ़ने की दिशा मिली।



सिटी इवेंट

मुकेश के सदाबहार नगमों से सजी यादगार संगीतमय शाम



भिलाई। सांगीतिक संस्था सुर संगीत संगम मेलोडी मेकर्स द्वारा सदी के महान एवं अमर पार्श्वगायक मुकेश की 50वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके सदाबहार एवं सुपरहिट नगमों की शानदार संगीतमय प्रस्तुति देकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आर.के. म्यूजिक स्टूडियो, रशियन कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-7, भिलाई में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में मुकेश के अमर गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को संगीत की मधुरता से सराबोर कर दिया। संस्था के प्रतिभाशाली एवं सुरिले कलाकारों ने एक से बढ़कर एक शानदार गीत प्रस्तुत कर दर्शकों एवं श्रोताओं से वाहवाही लूटी। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के मुकेश के नाम से अपनी अलग पहचान बनाने वाले सुनील परदेशी ने अपनी शानदार एवं भावपूर्ण गायकी से श्रोताओं का मन मोह लिया। वहीं शांताराम वानखेड़े की दमदार एवं प्रभावशाली आवाज ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्व मुकेश के गीतों एवं उनके जीवन से जुड़े रोचक और ज्ञानवर्धक प्रसंगों की प्रस्तुति ने भी कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। गिरीश चतुर्वेदी, नारायण शास्त्री एवं जी. पी. पांडियन ने अपनी बेहतरीन गायकी से संगीत प्रेमियों का दिल जीत लिया। समूह की नई प्रतिभाशाली गायिका कविता सिंह की मधुर आवाज एवं उत्कृष्ट गायकी ने दर्शकों और श्रोताओं को विशेष रूप से प्रभावित किया। वहीं सुरुची यादव एवं माया बैनर्जी की शानदार प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम में मधुरता एवं रंग भर दिए। कार्यक्रम में माया बैनर्जी ने एंकरिंग की। कार्यक्रम के अंत में आयोजक महेश कुमार विनोदिया द्वारा सभी प्रतिभाशाली कलाकारों, संगीत प्रेमियों, श्रोताओं एवं दर्शकों का आभार व्यक्त किया। सुर संगीत संगम मेलोडी मेकर्स, भिलाई द्वारा आयोजित यह संगीतमय संध्या मुकेश के अमर गीतों की मधुर स्मृतियों को संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवंत कर गई।

भक्ति का प्रतीक हिंडोला उत्सव की मंदिरों में धूम, धातू से निर्मित झूले पर विराजे राधा-कृष्ण

जन्माष्टमी तक हिंडोले पर विराजेंगे युगल सरकार और छट्टी तक लड्डू गोपाल, अलग-अलग स्वरूप में सजेंगे कान्हा के झूले



कमी फूल, कमी फल तो कमी मोतियों से सजेगा झूला
हिंडोला उत्सव के दौरान हर दिन झूले का स्वरूप बदलने की परंपरा है। कमी फूलों और हरी पतियों से तो कमी फलों, मोतियों की मालाओं और तोरण से हिंडोले को सजाया जाएगा। भगवान के श्रृंगार में भी अलग-अलग थीम अपनाई जाएंगी। फल, माखन, मिठाई, फूल और सब्जियों सहित विभिन्न वस्तुओं से हिंडोले को आकर्षक रूप दिया जाएगा। मंदिर के पुजारियों के अनुसार, धार्मिक मान्यता में गोपियों द्वारा भगवान कृष्ण को झूले में झूलाने का प्रसंग भी हिंडोला उत्सव से जुड़ा है। गोपियों फूलों और अन्य सामग्री से झूला सजाकर भगवान कृष्ण को बारी-बारी से झूलती थीं और उन पर अपना वात्सल्य लुटाती थीं। इसी भाव को आज भी मंदिरों में परंपरा के रूप में निभाया जा रहा है। हिंडोला झूलाने का पहला अधिकार मंदिर के मुख्य पुजारी को दिया जाता है।

भिलाई। भादों की फुहारों के बीच दिवनसिटी के राधा-कृष्ण मंदिरों में इन दिनों भक्ति का झूला सज गया है। कहीं चंदन की लकड़ी से बने पारंपरिक झूले पर लड्डू गोपाल विराजे हैं तो कहीं धातु से निर्मित हिंडोले में राधा-कृष्ण के युगल स्वरूप को झुलाया जा रहा है। मथुरा-वृंदावन की परंपरा से जुड़ा हिंडोला उत्सव सावन से लेकर जन्माष्टमी के बाद छठी तक मंदिरों में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस दौरान रोजाना झूले को फूल, पतियों, फलों, मोतियों की माला, तोरण और अन्य सामग्री से अलग-अलग रूप में सजाया जाएगा। मान्यता है कि सावन-भादों में भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप की लीलाओं को याद करते हुए उन्हें झूला झूलाने की परंपरा शुरू हुई थी। जिससे मंदिरों में हिंडोला केवल सजावट नहीं, बल्कि कान्हा के प्रति प्रेम, वात्सल्य और भक्ति का प्रतीक माना जाता है।

वृंदावन की तर्ज पर सजेगा हर दिन नया हिंडोला

दिवनसिटी के सेक्टर-6 राधा-कृष्ण मंदिर, नेहरू नगर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर, महेश कॉलोनी दुर्ग कृष्ण मंदिर सहित अन्य मंदिरों में हिंडोला उत्सव की शुरुआत हो चुकी है। सेक्टर-6 के कृष्ण मंदिर में धातु से बने हिंडोले पर राधा-कृष्ण के विवाह यानी युगल सरकार को विराजित कराया गया है। वहीं नेहरू नगर के राधा-कृष्ण मंदिर में चंदन की लकड़ी से तैयार पारंपरिक झूले पर लड्डू गोपाल को विराजमान कराया गया है। मंदिरों में वृंदावन की तर्ज पर सजावट की जा रही है और भगवान को विभिन्न व्यंजनों का भोग भी लगाया जा रहा है। सेक्टर-6 राधा-कृष्ण मंदिर के पुजारी आचार्य सुनील द्विवेदी ने बताया कि मंदिर का पुनर्निर्माण वर्ष 1992 में हुआ था और तभी से सावन में हिंडोला उत्सव की परंपरा निभाई जा रही है। उत्सव के दौरान पूरे सावन में भगवान राधा-कृष्ण का अभिषेक कर उन्हें हरे वस्त्र धारण कराए गए थे और अब भादों में साधारण गुलाबी वस्त्र धारण कराए गए हैं। साथ ही छोटे युगल सरकार के विवाहों को हिंडोले पर विराजित कर झूला झूलाने की परंपरा शुरू हुई। इस समय प्रकृति के हरियाली भरे रूप को ध्यान में रखते हुए भगवान का हरा श्रृंगार भी किया जा रहा है।



जन्माष्टमी के बाद लड्डू गोपाल
सेक्टर-6 मंदिर के पुजारी आचार्य सुनील द्विवेदी के अनुसार, हिंडोला उत्सव सावन से शुरू होकर भादों की चतुर्दशी तक चलता है। भादों की सप्तमी तक युगल सरकार को हिंडोले पर विराजित कर झूला झुलाया जाता है। इसके बाद जन्माष्टमी से छठी तक भगवान के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल की सेवा की जाती है। इस दौरान उनकी पूजा-अर्चना छोटे बच्चों की तरह की जाती है और उन्हें तरह-तरह के व्यंजनों का भोग लगाकर लाडू-प्यार किया जाता है। सेक्टर-6 मंदिर में धातु से निर्मित झूले पर लड्डू गोपाल को विराजित किया जाता है। जन्माष्टमी के बाद छठी के दिन हिंडोला उत्सव का समापन होगा। अंतिम दिन लड्डू गोपाल को विभिन्न प्रकार के व्यंजन, मिठाई और फलों का भोग अर्पित कर उत्सव का समापन किया जाएगा।

डॉ. संजय दानी की कहानी संग्रह ‘गुस्ताखी माफ’ का हुआ विमोचन

दुर्ग। शहर के आईएमए भवन मोहन नगर में साहित्यकार एवं चिकित्सक डॉ. संजय दानी के कहानी संग्रह गुस्ताखी माफ का विमोचन साहित्यिक माहौल में हुआ। समारोह में दुर्ग-भिलाई के करीब 100 साहित्यकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईएसएस संजय अलंग ने कहा कि डॉ. दानी की अधिकांश कहानियों का केंद्र दुर्ग शहर और आसपास के गांव हैं। उनके पात्र भी हमारे बीच के ही लोग हैं। उनकी कहानियां आपसी सौहार्द और सामाजिक सरोकारों की बात करती हैं। उन्होंने कहा कि अपने आसपास, समाज और शहर की समस्याओं को समझकर उनके समाधान की दिशा में प्रयास किए बिना वैश्विकता के ढांचे में स्वयं को ढालना संभव नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रवि श्रीवास्तव ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. दानी की कहानियां घटना प्रधान हैं और घटनाओं के तैजी से बदलते क्रम के कारण पाठक की उत्सुकता अंत तक बनी रहती है। कथाकार परदेशीराम वर्मा ने डॉ. दानी की दो कहानियों का उल्लेख



करते हुए उनके विषय और पात्रों की विशेषताओं पर चर्चा की। वहीं बस्तर-बस्तर के लेखक लोकबाबू ने कहा कि उनकी कहानियां पारंपरिक कहानी की श्रेणी में आती हैं। भाषा सरल है और वे किसी वाद से प्रभावित नजर नहीं आती। कहानीकार डॉ. संजय दानी ने अपने साहित्यिक सफर पर प्रकाश डालते हुए दो कहानियों का वाचन किया। स्वागत उद्बोधन डॉ. ममता दानी और संचालन ईसराइल बेग शाद बिलासपुरी ने किया। आभार प्रदर्शन अनुराग दानी ने किया।

आकाशवाणी के मोर भुइयां में गूंजेगी छगन लाल की कहानी एक अउ देवकी

भिलाई। छत्तीसगढ़ी साहित्य और संस्कृति से जुड़े श्रोताओं के लिए आकाशवाणी रायपुर का विशेष कार्यक्रम मोर भुइयां मंगलवार, 1 सितंबर को प्रसारित होगा। कार्यक्रम में राजभाषा अधिकारी एवं साहित्यकार छगन लाल नागवंशी की कहानी एक अउ देवकी का प्रसारण किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 8.30 बजे 981 किलोहर्ट्ज पर शॉर्ट वेव तथा एफएम बैड और छत्तीसगढ़ के सभी आकाशवाणी केंद्रों से सुना जा सकेगा। छगन लाल नागवंशी साहित्य की विभिन्न विधाओं में सक्रिय हैं। उनकी कहानियों, कविताओं, गीतों, लेखों, आलेखों और वार्ताओं का प्रसारण आकाशवाणी से अनेक बार हो चुका है। समसामयिक विषयों पर उनकी भेंटवार्ताएं भी प्रसारित हुई हैं। राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें राजभाषा उन्मायक

सम्मान और सर्वश्रेष्ठ राजभाषा अधिकारी सम्मान सहित कई पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। ना ग वं शी छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति से भी गहराई से जुड़े हैं। उनके लिखे लोकगीत विभिन्न कलाकारों द्वारा गाए जा रहे हैं। रानी माई जस गीत और दुर्गा काली श्रृंगार एलबम के गीतों के वे गीतकार हैं। वे



विश्व हिंदी सम्मेलन, मॉरीशस, फिजी और सिंगापुर में इस्पात मंत्रालय की ओर से प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस सहित विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों में उनके लेखन और मंच संचालन को भी सराहना मिली है। अब उनकी कहानी एक अउ देवकी के प्रसारण को लेकर साहित्यप्रेमियों में उत्सुकता है।

रूंगटा पब्लिक स्कूल में गूंजा दादा-दादी के स्नेह का उत्सव

गैंडपेरेंट्स डे पर बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने बांधा समां खेल प्रतियोगिताओं में वरिष्ठजनों ने लिया उत्साह से हिस्सा

कार्नर न्यूज

भिलाई। संजय रूंगटा इंस्टीट्यूट्स द्वारा संचालित रूंगटा पब्लिक स्कूल, भिलाई में गैंडपेरेंट्स डे का भव्य आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में दादा-दादी एवं नाना-नानी ने बड़ी संख्या में शामिल होकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चेयरमैन संजय रूंगटा, डायरेक्टर रजनी रूंगटा, विशिष्ट अतिथि अशोक सिंघल एवं कंचन सिंघल सहित विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सैपलिंग प्रेजेंटेशन के साथ हुआ। पौधों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और नई पीढ़ी को प्रकृति से जोड़ने का संदेश दिया गया।



नन्हे कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुति
विद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए गैंडपेरेंट्स डे के महत्व पर प्रकाश डाला। कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। इसके बाद प्री-प्राइमरी के बच्चों ने मनमोहक नाटिका प्रस्तुत की। नन्हे कलाकारों की प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों से उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में दादा-दादी और नाना-नानी के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वरिष्ठजनों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

वरिष्ठजन संस्कारों और अनुभव के स्रोत : संजय
मुख्य अतिथि संजय रूंगटा ने कहा कि दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की धरोहर होने के साथ ही बच्चों के संस्कार, अनुभव और प्रेम के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास में उनका योगदान अमूल्य है। उन्होंने विद्यार्थियों और अभिभावकों से वरिष्ठजनों का सम्मान करने का आह्वान किया। विद्यालय की प्राचार्या दीपति सिंह ने कहा कि परिवार के अनुभवी सदस्य बच्चों के लिए संस्कार, प्रेम और प्रेरणा के महत्वपूर्ण स्रोत होते हैं। उनका स्नेह, अनुभव और आशीर्वाद नई पीढ़ी को सही दिशा प्रदान करता है। कार्यक्रम के अंत में प्री-प्राइमरी कोऑर्डिनेटर ने आभार व्यक्त करते हुए अतिथियों, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण, विद्यार्थियों और सभी दादा-दादी एवं नाना-नानी का धन्यवाद किया। इसके बाद सामूहिक छायाचित्र लिया गया और सभी के लिए जलपान की व्यवस्था की गई।

सिटी इवेंट

सुरक्षा में लगे जवान, रक्षा सूत्र बांधकर जताया आभार



भिलाई। विश्व मानवाधिकार परिषद के पदाधिकारियों ने थाना परिसर पहुंचकर इयूटी पर तैनात पुलिस जवानों, थाना प्रभारी एवं महिला थाना प्रभारी की कलाई पर राखी बांधी। पदाधिकारियों ने जवानों के सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना करते हुए उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। पुलिस जवानों के प्रति सम्मान और अपनत्व की भावना व्यक्त करने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष लीगल सेल एवं राष्ट्रीय प्रभारी एडवोकेट पायल पोपटानी विशेष रूप से उपस्थित रही। इस दौरान पदाधिकारियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान जब लोग अपने परिवार के साथ खुशियां मनाते हैं, उस समय पुलिस जवान अपनी इयूटी पर तैनात रहकर शहर की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में जुटे रहते हैं। उनका त्याग और समर्पण समाज के लिए महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष कुलवंत सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी सरोज सिंह नागवंशी, प्रदेश आरटीआई सेल सचिव के. किशोर, प्रदेश महासचिव नवल किशोर अत्रोलिया और जिलाध्यक्ष महिला विंग अरुणा सहित संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जवानों ने भी इस आत्मीय पहल के लिए पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। आयोजन ने रक्षाबंधन के पर्व को भाई-बहन के रिश्ते से आगे बढ़ाकर समाज और सुरक्षा में जुटे जवानों के प्रति सम्मान की भावना से जोड़ने का संदेश दिया।

■ विश्व मानवाधिकार परिषद के पदाधिकारियों ने थाना परिसर पहुंचकर जताया सम्मान

धर्म लाइव

भोजली की हरियाली और भक्ति के रंग में रंगा रिसाली



भिलाई। छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा और कृषि संस्कृति के प्रतीक भोजली पर्व का उल्लास रिसाली वार्ड 2, रुआबांधा बस्ती में देखने को मिला। लोधी समाज द्वारा आयोजित भोजली और मंचीय कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर ढोल-नगाड़े और भोजली गीतों की गूंज के बीच विधायक ने भोजली माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और किसान भाइयों के खेतों में अच्छी फसल की कामना की। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भोजली कलश लेकर मंगल गीत गाए, जिसने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि भोजली केवल एक त्योहार नहीं है, यह हमारी मिट्टी, हमारी खेती और हमारे किसान भाई-बहनों की आस्था का प्रतीक है। भोजली माता के आशीर्वाद से ही हमारे खेत लहलहाते हैं और घर-आंगन में खुशहाली आती है। आज जब हम भोजली गीत गाते हैं तो लगता है जैसे प्रकृति खुद हमसे बात कर रही हो। लोधी समाज हमेशा से मेहनत, संस्कार और सेवा का प्रतीक रहा है। आप लोग खेती-किसानी से लेकर समाज सेवा तक हर क्षेत्र में अग्रणी हैं। हमारी सरकार और हम जनप्रतिनिधियों का संकल्प है कि गांव-गांव तक विकास पहुंचे। किसान भाइयों को खाद-बीज, सिंचाई और सम्मानजनक दाम मिले। हमारी माताएं-बहनें और बच्चे शिक्षित और आत्मनिर्भर बनें। भोजली माता से प्रार्थना है कि छत्तीसगढ़ का हर खेत हरा-भरा रहे और हर घर में सुख-समृद्धि आए। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने मंचीय कार्यक्रम में शामिल होकर समाज के मेधावी बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि शिक्षा और संस्कार दोनों लेकर आगे बढ़ो, तभी समाज और देश का नाम रोशन होगा। इस अवसर पर अनुपम साहू, राज जघेल, दशरथ साहू, पार्षद सारिका साहू, प्रेम साहू, दानेश्वर जघेल, हरी वर्मा, आकाश वर्मा, छत्रक वर्मा, महेश चंदेल, मकसूदन वर्मा, गुलापा बाई, संतोषी वर्मा, मोंगरा चंदेल, हेमिन वर्मा, संत बाई, सुखी लोधी आदि उपस्थित थे।



बीसीए की वार्षिक आमसभा में क्रिकेट विकास और खिलाड़ियों की सुविधाओं पर मंथन

भिलाई। भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन बीसीए की वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। बैठक में क्रिकेट गतिविधियों, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा संस्था के आगामी कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में बीसीए अध्यक्ष अरविंद जैन, उपाध्यक्ष आनंद त्रिपाठी, सचिव भास्कर गोस्वामी, संयुक्त सचिव एन. अभिलाष, कोषाध्यक्ष यशजीत सिंह, पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी राजेश चौहान, छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के अध्यक्ष वी. मोहन दास, एजीक्यूटिव मेंबर बिभाष सिन्हा, स्वामीनाथन, प्रोफेसर प्रमोद शंकर शर्मा, योगेश शाह, जी. प्रेमानाथ, सुनील डारसेन, समीर शर्मा, देवेश दास, संजय चौधरी, प्रताप सिंह ठाकुर एवं निसार अहमद उपस्थित रहे। सचिव भास्कर गोस्वामी ने वर्षभर की क्रिकेट गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इंटर स्कूल टूर्नामेंट सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 200 दिनों तक क्रिकेट गतिविधियां संचालित हुईं। कोषाध्यक्ष यशजीत सिंह ने संस्था का वार्षिक आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने क्रिकेट गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए अतिरिक्त आर्थिक संसाधन जुटाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन सचिव भास्कर गोस्वामी ने किया। इस अवसर पर सुनील त्रिवेदी, संतोष कुमार भारद्वाज सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे।

● कलामंदिर में अभा रंग तरंग नाट्य व संगीत प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह

कन्यादान को मिला सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति का पुरस्कार
सन्नाटा द्वितीय और जहर को मिला तीसरा स्थान

कला साहित्य अकादमी सहित रवींद्र निकेतन, गीता आर्ट्स एंड नृत्य एसोसिएशन व कालीबाड़ी हुडको के तत्वावधान में मिलाई इस्पात संयंत्र के सहयोग से महात्मा गांधी कलामंदिर में आयोजित पांच दिवसीय अखिल भारतीय रंग तरंग नाट्य, गायन व वादन प्रतियोगिता का यादगार समापन कलाकारों की हौसलाआफजायी और थिएटर को जिंदा रखने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। पुरस्कार वितरण समारोह में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों व कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए गए। सर्वश्रेष्ठ नाट्य प्रस्तुति का पुरस्कार कन्यादान को मिला। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध नाट्य निर्देशक मिर्जा मसूद बेग रायपुर थे। विशेष अतिथि वरिष्ठ रंगकर्मी अजय टांगे, शक्तिपद चक्रवर्ती, गीता दास, दीपशिखा बोस, मनोरंजन दास, मानवसेन थे। मंचस्थ अतिथियों ने नाटक, गायन व वादन में विभिन्न कैटेगरीज में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए कलाकारों को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पिप्पल एसोसिएशन फॉर थियेटर जमरोटपुर के नाटक कन्यादान को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति प्रथम का पुरस्कार मिला। रंग रूप थिएटर इंदौर की प्रस्तुति सन्नाटा द्वितीय व नाट्य वास्तु, कानपुर के जहर तथा उडिया नाटक सुनीबो हेउ ए कहानी पंचतत्व राउरकेला की तृतीय पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ निर्देशन के लिए जन्मजय मोहंती - सुनीबो हेउ ए कहानी, राउरकेला, द्वितीय वरुण जोशी- सन्नाटा/ मोहम्मद निज़ाम- कन्यादान व प्रवीन कुमार अरोड़ा - जहर को तृतीय स्थान मिला।



इन्हें मिला पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता अरुण आठवाले- राजकुमार दास, द्वितीय राजा चन्द्रादित्य- जन्मजय मोहंती और तृतीय पुरस्कार जहर के लिए गाहक बने कमलेश सेठी को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री कन्यादान में ज्योति बनी प्रिया यादव, द्वितीय लांछन की मुस्कान शर्मा व तृतीय सुनीबो हेउ ए कहानी में चारी- अनुष्का बरिहा रही। वहीं सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकाप लांछन नाटक की ख्याति रही। सर्वश्रेष्ठ नाट्य लेखन असमंज बाबू की आत्मकथा के अख्तर अली, प्रकाश व्यवस्था सन्नाटा मंच सज्जा वह एक रात, वस्त्र विन्यास सुनीबो हेउ ए कहानी पंचतत्व, राउरकेला, रूप सज्जा सन्नाटा और सर्वश्रेष्ठ पार्श्व संगीत का पुरस्कार वो एक रात को नवाजा गया। मोनो एक्टिंग निठल्ला भुनेश्वर साहू, द्वितीय अनहार्ड ऑपेंट आचार्य दुर्ग व तृतीय महारथी कर्ण- प्रवीण कुमार अरोड़ा कानपुर रहे।



कलावती सावंत स्मृति गायन पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ गायन प्रथम स्थान स्वीटी मैती, द्वितीय ओपन युगल नीता शंकर व तीसरा स्थान समीर स्वरूप रहे। संगीत इंस्ट्रुमेंटल में वाई. जय प्रकाश द्वितीय स्थान व दैना राजपूत को तृतीय स्थान पुरस्कार मिला। सब जूनियर में पुलकित चंद्राकर व आदित्य चौहान द्वितीय, सब जूनियर समूह में प्रिंशा सोना, जूनियर - लक्षिता ठाकुर, इमोन भट्टाचार्य द्वितीय यशो देवांगन, आर्या खान को द्वितीय पुरस्कार मिला। वहीं सब जूनियर गायन समूह में प्रीति जैन, वंश साहू, लक्ष्य, सेजल, दिव्यांशस आरुष मालवी व धारी यादव को तृतीय स्थान मिला। आयोजक कलावती सावंत गायन प्रतियोगिता संबलपुरी फोक व गीता आर्ट्स एक्ट एंड नृत्य एसोसिएशन की सहभागिता को सराहा गया। नृत्य स्पर्धा में प्रिंस वानखेड़े प्रथम, दीपक सोना द्वितीय और नव्या रंजन को तृतीय पुरस्कार मिला।

धम्म देशना

बुद्ध के बताए मार्ग पर चलकर जीवन को बनाएं सुखमय



भिलाई। भारतीय बौद्ध महासभा डॉ. आंबेडकर सांस्कृतिक भवन, सेक्टर-6 भिलाई में वर्षावास के दौरान साप्ताहिक वंदना एवं धम्म देशना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भंते अशोक मित्र, भंते प्रकाश दीप, कैमूर बिहार और महामाया बुद्ध विहार, कर्मचारी नगर दुर्ग में वर्षावास कर रहे भंते प्रज्ञाकीर्ति ने धम्म देशना दी। भंतेजनों ने बुद्ध शरणं गच्छामि, धम्मं शरणं गच्छामि और संघं शरणं गच्छामि का विस्तारपूर्वक अर्थ बताते हुए मनुष्य को सदाचरण एवं बुद्ध के बताए मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध और बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को अपनाकर जीवन को सुखमय बनाया जा सकता है। साथ ही भारतीय संविधान की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की शुरुआत तथागत गौतम बुद्ध एवं बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर तथा अगरबत्ती और मोमबत्ती प्रज्वलित कर की गई। संस्था के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों सहित उपासक-उपासिकाओं ने पूज्य भंतेजनों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। साप्ताहिक वंदना कार्यक्रम का संचालन संस्था अध्यक्ष विनोद वासनिक ने किया। इस अवसर पर कृष्णा बंसोडकर, देवानंद मेश्राम, रामराव ढोक, अशोक शाम कुवर, भीमराव पाटिल, राजेश गजभिषे, हरिकृष्ण भोवते, सविता मेश्राम, मीना नारनवरे, अलका बौद्ध, आनंद रामटेके, संदीप मेश्राम, शिवचरण पाणतावन, रविन्द्र गाडगे, कमलराज मेश्राम, नरेंद्र नारनवरे, संजय मेश्राम, सुभाष बंसोडकर सहित बड़ी संख्या में उपासक-उपासिकाएं उपस्थित रहे।

संस्कृत, संस्कृति और संस्कार के संकल्प के साथ संपन्न हुआ संस्कृत महोत्सव

संस्कृत गीत, ग्रीटिंग कार्ड, पोस्टर, सुलेख और ईश्वर एक-नाम अनेक प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह



संस्कृत समूह गीत बना महोत्सव का विशेष आकर्षण

संस्कृत समूह गीत प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी सामूहिक प्रस्तुति, स्वर, लय, भाव और संस्कृत उच्चारण से निर्णायकों एवं उपस्थित अतिथियों को प्रभावित किया। प्रतियोगिता में दिल्ली पब्लिक स्कूल दुर्ग, डी.ए.वी. इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर 2, भिलाई सहित कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता के परिणामों में प्रथम स्थान एम जी.एम. सैनिटरी सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 6, द्वितीय स्थान ज्योति हायर सेकेंडरी हंजिलख नीडियम स्कूल, चरोदा की टीम और तृतीय स्थान कृष्णा पब्लिक स्कूल, नेहरू नगर की टीम को प्राप्त हुआ।



कार्नर न्यूज

भिलाई। संस्कृत को केवल एक भाषा या विषय के रूप में नहीं, बल्कि संस्कृति, संस्कार और जीवन मूल्यों की संवाहक शक्ति के रूप में जनमानस तक पहुंचाने के संकल्प के साथ संस्कृत मित्र मंडल, भिलाई दुर्गों द्वारा संस्कृत महोत्सव का अभिनव आयोजन किया गया। शहर के लगभग 25 विद्यालयों को एक मंच पर लाने वाले इस महोत्सव में विद्यार्थियों ने संस्कृत गीत, संस्कृत ग्रीटिंग कार्ड, संस्कृत पोस्टर, संस्कृत सुलेख तथा ईश्वर एक नाम अनेक सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। लगभग 234 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा संस्कृत में तैयार किए गए ग्रीटिंग कार्ड और पोस्टर विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में आर्य समाज बैजनाथ पारा के प्रधान जोगी राम साहू, वरिष्ठ साहित्यकार विजय कुमार गुप्ता और नीरज खरया उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए संस्कृत के प्रति उनके उत्साह और सृजनात्मक प्रसिमा की सराहना की।

संस्कृत को बताया जीवन मूल्यों की भाषा

अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि संस्कृत को केवल एक भाषा अथवा एक विषय के रूप में नहीं पढ़ना जाना चाहिए। यह जीवन मूल्यों को सिखाने वाली भाषा है। संस्कृत के साथ संस्कृति और संस्कार जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स अथवा किसी भी क्षेत्र में अपने करियर की ऊंचाइयां प्राप्त करें, लेकिन उन्हें संस्कृत के उन मूल्यों से अवश्य परिचित कराया जाए जो 'सर्वं भवन्तु सुखिनः' की भावना सिखाते हैं। संस्कृत मित्र मंडल की अध्यक्ष आमा चौराड़्या ने सभी अतिथियों, विद्यालयों, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्कृति को जीवित और जीवंत बनाए रखने के लिए संस्कृत के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संस्कृत महोत्सव विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जोड़ने तथा भारतीय संस्कृति के प्रति गौरव की भावना विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में अनुपमा उपाध्याय, अमित मिश्रा, इंदुना धमदे, जयचंदर कौर, वंदना सिंह, धीरज मिश्र, चंद्रप्रकाश, आशा यादव, शीला लाकुडकर, संदीपा अरोरा, संयोगिता त्रिपाठी, प्रीति भट्ट, डॉ. वागीश चंद त्रिपाठी, संतोष बाहोदड़े, अनीता शुक्ला, आमा नेवालकर, जॉली थॉमस, वेद प्रकाश उपस्थित थे।

सिटी स्पोर्ट्स

जन्माष्टमी पर अपने छोटे बच्चे को भगवान कृष्ण के रूप में सजाएं, लोग करेंगे तारीफ



जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का जश्न मनाने वाला त्योहार है। इस अवसर पर बच्चे भगवान श्रीकृष्ण की तरह कपड़े पहनते हैं। अगर आपका बच्चा भी इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की तरह कपड़े पहनने की इच्छा रखता है तो उसके लिए सही कपड़े चुनना महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं कि जन्माष्टमी के मौके पर अपने बच्चे को किस तरह के कपड़े पहनाना चाहिए।

पारंपरिक धोती और कुर्ता

पारंपरिक धोती और कुर्ता भगवान श्रीकृष्ण के पारंपरिक लुक को दर्शाने का सबसे अच्छा तरीका है। सफेद या हल्के रंग की धोती और कुर्ते का मेल बहुत सुंदर लगता है। कुर्ते पर हल्का कढ़ाई का काम हो तो यह और भी आकर्षक दिखता है। धोती और कुर्ता पहनने में आरामदायक होते हैं और त्योहार के माहौल में पूरी तरह से मेल खाते हैं। अपने बच्चे को इस पोशाक में देखने का अनुभव बहुत खास होगा।

मोर पंख या मोर मुकुट

भगवान श्रीकृष्ण की छवि को और भी खास बनाने के लिए आप उनके लुक में मोर पंख या मोर मुकुट शामिल कर सकते हैं। ये सजावट न केवल पोशाक को पूरा करती हैं बल्कि आपके बच्चे के लुक को और भी आकर्षक बनाती हैं। मोर पंख या मुकुट पहनने से आपका बच्चा एकदम असली भगवान श्रीकृष्ण जैसा दिखेगा, जिससे उसका लुक और भी खास और मनोहर लगेगा।

बांसुरी और मटकी

भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी और मटकी उनके लुक में जान डालती हैं। ये सजावट न केवल देखने में सुंदर लगती हैं बल्कि आपकी बच्चे की पोशाक को एक अलग ही स्तर पर ले जाती हैं। बांसुरी और मटकी को हाथ में लेकर चलना बच्चे के लिए एक मजेदार अनुभव होगा और यह उसे पूरी तरह से भगवान श्रीकृष्ण जैसा दिखने में मदद करेगा।

बालों की सजावट

बालों की सजावट भी आपके बच्चे के लुक को पूरा करने में अहम भूमिका निभाती है। आप उसके बालों में फूलों की माला लगा सकते हैं या फिर छोटे-छोटे गुंथी हुई बालों में फूल लगा सकते हैं। इससे न केवल उसका चेहरा खिल उठेगा बल्कि वह पूरी तरह से भगवान श्रीकृष्ण जैसा दिखेगा। बालों की सजावट से उसका लुक और भी खास और मनोहर लगेगा, जिससे वह त्योहार के माहौल में पूरी तरह से फिट बैठेगा।

जूते या चप्पल

अंत में, जूते या चप्पल का चयन करें जो उसके पूरे लुक को संतुलित करें। पारंपरिक जूते या चप्पलें जैसे कि जरी वाली चप्पलें या चमड़े के जूते आपके बच्चे के लुक को पूरा करेंगे और वह भगवान श्रीकृष्ण जैसा दिखेगा। इस प्रकार इन सरल लेकिन प्रभावशाली सुझावों से आप अपने बच्चे को जन्माष्टमी पर सबसे ज्यादा आकर्षक बना सकते हैं। याद रखें कि आरामदायक कपड़े और सजावट ही सबसे अहम होते हैं।

सूर्य का नक्षत्र गोचर, चार राशियों को देगा बंपर लाभ

सूर्य देव शुक्र के पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में 31 अगस्त से 13 सितंबर तक विराजमान रहेंगे और इसके बाद उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में प्रवेश कर जायेंगे। ज्योतिष अनुसार पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में सूर्य का गोचर काफी रहेगा। इस गोचर से 4 राशियों को जबर्दस्त लाभ प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा और अचानक से धन की प्राप्ति के योग बनेंगे।

मेघ : रुका हुआ पैसा मिलने के योग – मेघ राशि वालों के लिए सूर्य का नक्षत्र गोचर शुभ साबित होगा। आपके अटक के काम बनने शुरू हो जाएंगे। रुका हुआ पैसा मिलने के योग बन रहे हैं। करियर में कोई नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे आपको भविष्य में अच्छा लाभ मिलने के योग रहेंगे। कोई मुनाफे की डील फाइनल हो सकती है।

सिंह : आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी-सिंह राशि वालों के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। निर्णय लेने की शक्ति बढ़ेगी। बिजनेस वालों को किसी डील से अच्छा लाभ प्राप्त होगा। नए प्रोजेक्ट मिलने की संभावना है। आप कार्यक्षेत्र में अलग पहचान बनाने में कामयाब रहेंगे। अचानक से धन की प्राप्ति के आसार दिखाई दे रहे हैं।

तुला: आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी-तुला राशि वालों की आर्थिक स्थिति पहले से काफी मजबूत हो जाएगी। अचानक से धन की प्राप्ति के आसार दिखाई दे रहे हैं। किसी काम में बड़ी सफलता मिल सकती है। करियर में लाभ प्राप्त करने के कई अवसर हाथ लगेगे। बाँस आपके काम से प्रसन्न रहेंगे।

दिल और दिमाग की सेहत का असर पड़ता है शरीर के दूसरे अंगों पर

दिल और दिमाग दोनों में संतुलन बनाकर आप रहेंगे स्वस्थ, कई बीमारियों का खतरा होगा कम

क्या आप जानते हैं कि आपके मस्तिष्क और हृदय का स्वास्थ्य आपस में जुड़ा हुआ है? या यूँ कहें कि एक दूसरे पर निर्भर है। यानी अगर दिल या दिमाग में से कोई भी अस्वस्थ है तो इसका दुष्प्रभाव दूसरे अंग पर देखा जा सकता है। शोधकर्ताओं ने भी अध्ययन में पाया कि जिन लोगों का दिमाग स्वस्थ होता है उनमें हार्ट की समस्याओं के विकसित होने का खतरा कम होता है, वहीं जिन लोगों का हृदय स्वस्थ होता है उनमें डिमेंशिया-अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हमारी गड़बड़ दिनचर्या और खान-पान की समस्या के कारण इन दोनों अंगों पर कई प्रकार से नकारात्मक प्रभाव देखा जा रहा है। सेंडेटरी लाइफस्टाइल, जंक-फास्ट फूड्स का अधिक सेवन और व्यायाम की कमी न सिर्फ आपमें हृदय की बीमारियों का खतरा बढ़ा रही है साथ ही इसका मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर हो सकता है। आइए दिल और दिमाग के इस कनेक्शन को समझने की कोशिश करते हैं।



हार्ट और दिमाग का कनेक्शन

अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि आप अपने हृदय को स्वस्थ रखकर, स्ट्रोक और डिमेंशिया जैसी मस्तिष्क संबंधी समस्याओं के जोखिम को भी कम करते हैं। असल में हमारा हृदय, वाहिकाओं के माध्यम से मस्तिष्क सहित शरीर के हर हिस्से में रक्त पंप करता है। रक्त वाहिकाओं के क्षतिग्रस्त होने से हृदय रोग, स्ट्रोक और डिमेंशिया जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। फिनलैंड के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि वयस्कावस्था में जिन लोगों ने अपने हृदय को स्वस्थ रखने के लिए प्रयास किए उनमें आगे चलकर न्यूरोलॉजिकल बीमारियों जैसे अल्जाइमर और डिमेंशिया के विकसित होने का खतरा 40 फीसदी तक कम पाया गया।

जानते हैं इन दोनों अंगों को स्वस्थ रखने के लिए क्या प्रयास किए जा सकते हैं?

आहार का ध्यान रखना सबसे जरूरी: स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, भोजन को स्वस्थ रखकर और दिल और दिमाग दोनों से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को कम कर सकते हैं। आहार में साबुत अनाज,

नट्स, मौसमी फल और सब्जियां, दालें, ओमेगा-3 फैटी एसिड वाली चीजों का नियमित रूप से सेवन करना आपकी रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने और मस्तिष्क में होने वाली दिक्कतों को कम करने में लाभकारी हो सकती है। आहार को स्वस्थ रखकर आप दिल की बीमारियों के खतरे को 40 फीसदी तक कम कर सकते हैं। नियमित व्यायाम बहुत जरूरी : नियमित व्यायाम संपूर्ण शरीर को स्वस्थ रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इससे हृदय और दिमाग में रक्त का प्रवाह बढ़ता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को प्रतिदिन कम से कम 150 मिनट का व्यायाम करने की सलाह देते हैं। व्यायाम करने से सेंडेटरी लाइफस्टाइल के कारण शरीर को होने वाली समस्याओं के जोखिमों को भी कम किया जा सकता है। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि जो लोग नियमित रूप से व्यायाम करते हैं, उनमें हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारियों के विकसित होने का खतरा कम हो सकता है।

मस्तिष्क का आराम देना जरूरी: मस्तिष्क का आराम देने के लिए प्रयास करते रहना भी बहुत आवश्यक है, इसके लिए मेडिटेशन और रिलैक्सेशन जैसे अभ्यास किए जा सकते हैं। मेडिटेशन से न सिर्फ मस्तिष्क को आराम मिलता है साथ ही इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल रहता है।



वास्तु के अनुसार बेडरूम बनाएं और चैन की नींद लें, दूर होगी सारी बाधाएं

बेडरूम वह जगह है जहां आप अपनी दिन भर की थकान को मिटाकर नई ऊर्जा प्राप्त करते हैं। वास्तु के अनुसार वैवाहिक जीवन को प्रेम और सुकून से जीने के लिए पति-पत्नी का शयनकक्ष बहुत महत्व रखता है।

सही दिशा देख लें

अपनी विवाहित जिंदगी को जीने के लिए प्रेम और आकर्षण की दिशा उत्तर-उत्तर-पश्चिम के क्षेत्र में अपना शयनकक्ष बना सकते हैं, इस दिशा में कमरा होने से उनके आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता आती है, जिससे जीवन में प्रेम बना रहेगा। पश्चिम जोन लाभ और प्राप्तियों का है, इसलिए इस जोन में बना बेडरूम दंपति के लिए जीवन के हर क्षेत्र में लाभ और धन की प्राप्ति के लिए श्रेयस्कर है।

पति-पत्नी को उत्तर पूर्व दिशा के कमरे में या इस दिशा में बेड लगाने से परहेज करना चाहिए। वास्तु विज्ञान के अनुसार उत्तर- पूर्व दिशा का स्वामी गुरु होता है, जो यौन संबंध में उत्साह की कमी लाता है जिसकी वजह से दाम्पत्य जीवन नीरस होने लगता है और आपस में तालमेल की भी कमी आती है। अग्नि के दिशा क्षेत्र दक्षिण-पूर्व में बेडरूम होने से पति-पत्नी का व्यवहार बेवजह ही आक्रामक होता जाता है और कई बार छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना उसकी आदत में शामिल हो जाता है जिससे दोनों के बीच मनमुटाव रहता है।

इस दिशा में सिर करके न सोएं

जिस प्रकार पृथ्वी का उत्तरी ध्रुव है ठीक उसी प्रकार से मनुष्य शरीर का मस्तिष्क वाला हिस्सा उसका उत्तरी पोल माना गया है। अतः सम्पूर्ण सुखद विश्राम के लिए आपको सिर सदैव दक्षिण ध्रुव की ओर करके सोना चाहिए ताकि चुम्बकीय तरंगें सही दिशा में प्रवाहित हो सकें। इसके विपरीत उत्तर दिशा में सिर रखकर सोने से चुंबकीय प्रवाह अवरुद्ध होकर बिगड़ जाएगा, जिससे आपको ठीक से नींद नहीं आ पाएगी। वास्तु के अनुसार इस दिशा में सिर करके सोने से नींद बाधित होती है जिस कारण सिरदर्द रह सकता है।



नमी भरे इस मौसम में कान पर ध्यान देना जरूरी

कानों में आती रहती है घंटी बजने जैसी आवाज तो रहें सावधान, इशारा हो सकता है गंभीर बीमारी का



टिनिटस की समस्या के बारे में जानिए

कानों में आवाज आने की समस्या यानी टिनिटस के कारण आप अपने एक या दोनों कानों में घंटी बजने या शोर जैसी आवाज का अनुभव कर सकते हैं। आप जो आवाज सुनते हैं वह किसी बाहरी ध्वनि के कारण नहीं होता है और अन्य लोग इसे नहीं सुन सकते हैं। टिनिटस बहुत आम सी समस्या है और

यह लगभग 15% से 20% लोगों को प्रभावित करती है। विशेषरूप से वृद्ध लोगों में इसके होने का खतरा अधिक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, टिनिटस आमतौर पर किसी अंतर्निहित समस्या के कारण हो सकती है जिसपर ध्यान देना और इलाज कराना बहुत आवश्यक हो जाता है।

चोट-संक्रमण हो सकती है वजह

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, टिनिटस

आमतौर पर किसी अंतर्निहित समस्या जैसे उम्र से संबंधित सुनने की बीमारी, कान में चोट या संक्रमण, संचार प्रणाली की समस्या के कारण हो सकती है। अगर इन स्थितियों का समय पर निदान या उपचार न हो पाए तो इसके कारण गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का भी खतरा रहता है।

टिनिटस की समस्या का कारण सर्दी जैसा ऊपरी श्वसन संक्रमण भी हो सकता है, जिसपर भी ध्यान दिया जाना आवश्यक होता है। टिनिटस का अगर समय पर इलाज न हो पाए तो इससे कानों में और भी कई तरह की दिक्कतें, यहां तक कि बहरापन भी हो सकता है।

हमेशा के लिए जा सकती है सुनने की शक्ति

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, हमारे कान के आंतरिक हिस्से में छोटी, नाजुक कोशिकाएं होती हैं जो ध्वनि तरंगें मिलने पर हिलती हैं। यदि आंतरिक कान में कुछ समस्या आ जाए तो इसके कारण भी

टिनिटस हो सकता है और समय पर इसका इलाज न होने पर कानों की शक्ति भी जा सकती है। इसके अलावा कानों में संक्रमण या कान की नलिकाओं में रुकावट के कारण भी आपको ये दिक्कत हो सकती है। कानों में संक्रमण का समय पर इलाज न होने पर इसका असर मस्तिष्क और अन्य हिस्सों में भी होने का जोखिम रहता है। इस मौसम में कान की सेहत पर ध्यान देना बेहद जरूरी है।



बिस्तर पर लेटकर करें योगासन, मिलेंगे फायदे

गलत लाइफस्टाइल और खानपान से लोगों की सेहत पर प्रभाव पड़ता है। जिसके कारण लोग कई बीमारियों से ग्रसित होने लगते हैं। इन में मोटापा, थकान, शरीर दर्द और तनाव आदि शारीरिक और मानसिक समस्या शामिल हैं। इस तरह की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए योगासन लाभकारी होता है। योगासन का नियमित अभ्यास गलत जीवन शैली और पौष्टिक आहार की कमी से होने वाली समस्याओं से राहत दिलाता है। हालांकि भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में लोगों के पास योग या व्यायाम करने तक का समय नहीं मिल पाता। लेकिन सेहत को दुरुस्त रखने के लिए कुछ ऐसे योगासन हैं जो रोज सुबह नींद खुलने के बाद आप बेड पर ही कर सकते हैं। सुबह सुबह योगासन का अभ्यास मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। योगासन से शारीरिक समस्याएं कम होने के साथ ही तनाव और चिंता भी कम होती है। जानिए उन पांच योगासनों के बारे में, जिन्हें रोजाना सुबह आसानी से आप बिस्तर पर कर सकते हैं।

मुर्जंगासन



रोजाना भुर्जंगासन का अभ्यास करने से भुजाएं मजबूत होती हैं। मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे बेली फैट कम होता है और रीढ़ में लचीलापन आता है। भुर्जंगासन का अभ्यास करने के लिए बिस्तर पर पेट के बल सीधा लेटकर दोनों हाथों को कंधे के सामने ले आएं। फिर दोनों हाथों को कंधे पर सामने लाते हुए पूरा शरीर एक सीध में रखें। अब ऊपरी हिस्से को भुजाओं से उठाएं और पैर सीधे रखते हुए कमर से ऊपर का हिस्सा हवा में रखें। कुछ देर इसी अवस्था में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।

बटरफ्लाई पोज

बद्धकोणासन को बटरफ्लाई पोज कहते हैं, जिसके अभ्यास से हिप्स और जांघों की मांसपेशियों में खिंचाव आता है और चर्बी कम होती है। पैरों में मजबूती और हिप्स शोप के लिए भी यह योगासन फायदेमंद है। इस योगासन को करने के लिए बिस्तर पर सीधा बैठकर दोनों पैरों के घुटनों को अंदर की तरह मोड़ें। अब पैरों के दोनों तलवे आपस में जोड़ते हुए दोनों हाथों से पैरों को पकड़ लें। अब जांघों को हिलाएं। इसी अवस्था में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।

पवनमुक्तासन

शरीर में लचीलेपन और रीढ़ की हड्डी मजबूत करने के लिए पवनमुक्तासन करें। पवनमुक्तासन से शरीर की थकान दूर होती है। इस आसन को करने के लिए बिस्तर पर लेटकर दोनों पैरों को आपस में मोड़ लें। फिर घुटनों को छाती पर लगाने हुए दोनों हाथों से पैरों को समेटें। इसी अवस्था में रहते हुए लंबी-लंबी सांस लें और छोड़ें।



फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

9711 करोड़ की कमाई करने वाली फिल्म ओटीटी पर रिलीज

वीकेंड शुरू हो गया है। वहीं इसके चलते जियो हॉटस्टार पर एक नई फिल्म ने सैटरडे को हिंदी और अंग्रेजी भाषा में दस्तक दे दी है, जिसने दुनियाभर में ना सिर्फ 9711



करोड़ की कमाई हासिल की। बल्कि 2026 की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। खास बात यह है कि इस फिल्म में 80 के दशक के गानों ने फैस का दिल जीता है। हम बात कर रहे हैं माइकल जैक्सन की बायोपिक पर बनीं ‘माइकल’ की, जो अब भारत में ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। महान संगीतकार माइकल जैक्सन की जयंती के मौके पर यह फिल्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। किंग ऑफ पॉप के नाम से मशहूर महान सिंगर माइकल जैक्सन को समर्पित माइकल फिल्म का जियो हॉटस्टार प्लेटफॉर्म पर प्रीमियर हो गया है। ‘माइकल’ में माइकल जैक्सन के शुरुआती वर्षों और एक ग्लोबल आइकन बनने तक के उनके असाधारण सफर को दिखाया गया है। माइकल फिल्म माइकल जैक्सन को एक खास श्रद्धांजलि है, जिसके चलते 29 अगस्त को किंग ऑफ पॉप की जयंती पर फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर हिंदी और अंग्रेजी भाषा में रिलीज किया गया है। ‘माइकल जैक्सन के भतीजे जाफर जैक्सन ने उनकी भूमिका निभाई है। जबकि निया लॉना, केइलिन ड्यूरेल जोन्स, लॉरा हैरियर, जेसिका सुला, माइक मायर्स, माइल्स टेलर और कोलमैन डोमिंगो भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। माइकल मुवी 24 अप्रैल 2026 को दुनियाभर में रिलीज हुई थी, जिसे फैस का खूब प्यार मिला। इसके चलते यह 2026 में दुनिया की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई।

टॉलीवुड

विजय ने जिंदगी के रोमांचक सफर पर किया बड़ा खुलासा

विजय देवरकोंडा ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि उनकी



जिंदगी हमेशा ‘रोमांचक’ रही है। साथ ही उन्होंने अपने जीवन के कठिन समय के बारे में भी बात की। विजय देवरकोंडा हाल ही में फिल्म ‘रोमंचकम’ के प्रमोशनल इवेंट में पहुंचे थे। यह फिल्म ‘अर्जुन रेड्डी’ के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय रेड्डी वांगा को आने वाली फिल्म है। इसी दौरान होस्ट ने विजय से पूछा कि साल 2026 में उनकी जिंदगी का सबसे ‘रोमंचकम’ यानी रोमांचक पल कौन सा रहा? इस सवाल का जवाब देते हुए विजय ने अपनी शादी की बात नहीं की, बल्कि अपनी पूरी जिंदगी के बारे में बताया। उन्होंने कहा, ‘मैं 1989 में पैदा हुआ था और तब से ही जिंदगी रोमांचक रही है। 1989 से लेकर हर साल कुछ न कुछ रोमांचक रहा है। जब मैं पैसे हों या न हों, मैंने ब्लैंडर्स प्राइड पी है, ग्लेनफिडिच पी है। लेकिन अब मैंने शराब छोड़ दी है। विजय ने यह नहीं बताया कि उन्होंने शराब छोड़ने का फैसला क्यों लिया। हालांकि, इसके बाद उन्होंने अपनी निजी जिंदगी के बारे में कुछ ऐसी बातें बताईं, जिन्हें सुनकर वहां मौजूद लोग भी हंस पड़े। विजय ने अपने अंदाज में कहा, ‘मुझे प्यार हुआ। मेरा दिल टूटा और फिर मेरी शादी हो गई। चाहे कुछ भी हो, जिंदगी रोमांचक रही है।’ विजय की ये बातें सुनकर संदीप रेड्डी वांगा भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए और बाद में तालियां बजाईं। विजय ने बेहद कम शब्दों में अपनी जिंदगी के कई उतार-चढ़ाव बयां कर दिए। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने इस साल फरवरी में शादी की थी। दोनों काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे और उन्होंने अपनी सगाई की खबर भी काफी समय तक सीक्रेट रखी थी।

छॉलीवुड

रवि ने गोरखपुर को बताया स्पेन

चर्चित अभिनेता रवि किशन गोरखपुर से सांसद हैं। हाल ही में उन्होंने अपने एक संबोधन में गोरखपुर को स्पेन बता दिया। उन्होंने कहा कि गोरखपुर उन्हें स्पेन लगता है और जिन्हें नहीं लगता वे ‘अंधे’ हैं। रवि किशन का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। नेटिजंस ने उन्हें आड़े हाथों लिया है। रवि किशन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। एक कार्यक्रम में वे भाषण देते दिख रहे हैं, जहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित दिखे। रवि किशन इस दौरान अपने संसदीय क्षेत्र गोरखपुर की तारीफ करते हैं। वे कहते हैं, ‘हम गोरखपुर पर गर्व करते हैं। हमको लगता है यह स्पेन। हमें यह अद्भुत जगह लगती है। हमें यह स्मार्ट सिटी लगती है’। रवि किशन ने आगे कहा, ‘हमें इसलिए लगता है, क्योंकि हमने सब जगह देख ली हैं। मुझे गोरखपुर स्पेन लगता है, तुम आंख के अंधे हो तो हम क्या करें?’ रवि किशन की बात सुनकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी हंसी नहीं रोक पाए। इसके बाद रवि किशन ने भारत माता की जय का नारा लगाया और फिर हर हर महादेव का जयकारा लगाकर मंच से विदा ली। रवि किशन ने यह बात कल्याण मंडपम उद्घाटन के दौरान विपक्ष पर हमला बोलते हुए कही। मगर, गोरखपुर को स्पेन बताने पर अब वे ट्रोल किए जा रहे हैं। नेटिजंस लिख रहे हैं, ‘बाबा (मुख्यमंत्री आदित्यनाथ) भी समझ गए।’ एक यूजर ने लिखा है, ‘ऐसे अपनी बेजती कौन कराता है?’ एक यूजर ने लिखा, ‘कभी एक्टर्स को अपना नेता मत बनाओ। ये सिर्फ नौटंकी कर सकते हैं, काम नहीं’।



मेट गाला के रेड कार्पेट पर रिहाना

सिंगर रिहाना ने ग्लेन मार्टेस द्वारा डिजाइन किए गए इस खास मेसन मार्जिएला आर्टिसनल लुक में 2026 मेट गाला के रेड कार्पेट पर पहुंची थीं। इस लुक की सबसे आकर्षक विशेषता उनके कंधों पर लिपटा हुआ गहरे रंग के इस झुर्रीदार कपड़े को एक फोटो फ्रेम की तरह बनाया गया है।

मेकअप हाइलाइटर का इस्तेमाल करें सही तरीके से

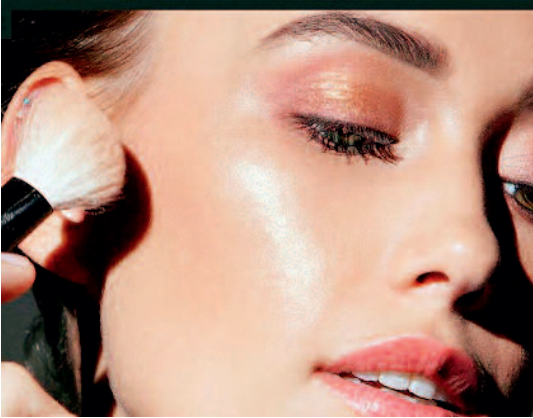
मेकअप करना हम सभी को बेहद पसंद होता है और इसके लिए हम आए दिन अपनी मेकअप वैनिटी में नए से नए प्रोडक्ट्स को शामिल करते रहते हैं। यह तो हम सभी जानते हैं कि मेकअप कई प्रकार के होते हैं, लेकिन इसी के साथ मेकअप को केवल चेहरे पर ही नहीं किया जाता है बल्कि इसे शरीर पर इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा इसलिए ताकि बॉडी का कलर भी चेहरे के साथ मिलता हुआ नजर आए। वहीं मेकअप हाइलाइटर सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है और इसे चेहरे के अलावा आप शरीर के हाई पॉइंट्स पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं चेहरे के अलावा मेकअप हाइलाइटर को बॉडी के हाई पॉइंट्स पर इस्तेमाल कर सकती हैं। साथ ही बताएंगे मेकअप से जुड़े कुछ टिप्स।

मेकअप हाइलाइटर को पैरों पर कैसे करें इस्तेमाल

अगर आप शॉर्ट ड्रेस पहन रही हैं तो घुटने पर मेकअप हाइलाइटर का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं आप चाहे तो घुटनों से लेकर पैरों तक में मेकअप कंटूरिंग कर फिर आप हाइलाइटर का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप चाहे तो लिंक्विड हाइलाइटर को मॉइस्चराइजर में मिक्स करके टांगों पर लगा सकती हैं।

गर्दन पर मेकअप हाइलाइटर का इस्तेमाल कैसे करें?

चेहरे के हाई-पॉइंट्स के अलावा आप मेकअप हाइलाइटर का इस्तेमाल गर्दन पर भी कर सकती हैं ताकि चेहरे का टोन गर्दन से आसानी से मैच कर जाये और आपका लुक खूबसूरत नजर आए। वहीं अगर आपकी गर्दन का कलर चेहरे से ज्यादा अलग है तो आप पहले कलर कंसीलर



का इस्तेमाल कर सकती हैं और चाहे तो कॉलर बॉन्स पर मेकअप कंटूरिंग कर सकती हैं।

मेकअप हाइलाइटर को शोल्डर पर कैसे लगायें?

अगर आप स्लीवलेस या बोल्ड डिजाइन के कपड़े पहन रही हैं तो मेकअप हाइलाइटर का इस्तेमाल कर सकती हैं। चेहरे के अलावा आप मेकअप हाइलाइटर को शोल्डर के ऊपर लगा सकती हैं। इसके लिए आप पाउडर बेस्ड वाले मेकअप हाइलाइटर का इस्तेमाल कर सकती हैं। शोल्डर पर मेकअप हाइलाइटर को लगाने के लिए आप फ्लफी शोप के ब्लॉइंग ब्रश का इस्तेमाल कर सकती हैं।

बेजान दिखने लगी है हाथ-पैर की त्वचा तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

इन दिनों कभी तो तेज धूप निकल रही है, कभी तेज बारिश हो रही है। बारिश के बाद होने वाली उमस की वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इस परेशानी का सीधा असर लोगों की त्वचा पर दिखाई दे रहा है। बदलते मौसम की वजह से ही त्वचा पर रूखापन नजर आने लगा है। इसके साथ ही चेहरा काफी डल लगने लगा है। ऐसे में वापस से ग्लो पाने के लिए आप या तो पालर जाकर स्किन ट्रीटमेंट करा सकते हैं या फिर कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर वापस निखरती हुई त्वचा पा सकते हैं। बहुत से लोग पालर जाकर पैसे खर्च करने से कतराते हैं। ऐसे में आज के लेख में हम आपको त्वचा की डलनेस कम करने के लिए कुछ घरेलू तरीके बताने जा रहे हैं ताकि आपको निखरती हुई त्वचा पाने के लिए ज्यादा रुपये खर्च करने की जरूरत ना पड़े।



निचोड़ना है और उसमें बराबर मात्रा में शहद डालकर मिलाना है। इस पेस्ट को आधे घंटे के लिए त्वचा पर लगाएं और फिर चेहरा धो लें। इससे चेहरे पर ब्राइटनेस आती है।

दही और टमाटर

इन चीजों के इस्तेमाल से त्वचा की डलनेस काफी हद तक कम हो जाती है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले एक टमाटर लें और उसका छिलका निकाल दें। अब इसमें 1-2 टेबलस्पून ताजा दही डालकर इसका पेस्ट बनाएं। इसको आप प्रभावित जगहों पर लगाकर निखरती त्वचा पा सकते हैं।



कार्नर न्यूज

पुरुषों के कपड़े ऐसे होते हैं, जिन पर बहुत ज्यादा प्रिंट या कलर के साथ प्रयोग नहीं किए जाते हैं लेकिन फिर भी इनमें उन्हें बेस्ट दिखना होता है। बात पैटर्न की हो तो आराम भी देखना होता है। अब ऐसे में अगर फैब्रिक अच्छा होगा तो हर पैट स्टाइल में इसे फिट बैठाना आसान हो जाएगा। इसलिए पुरुषों के पैट के लिए कौन सा फैब्रिक है बेहतर? जानिए और अपने स्टाइल को एक नया आयाम दीजिए, जरूरी टिप्स ये रहे-

फॉर्मल पैट के लिए

आप फॉर्मल पैट के लिए कौन सा फैब्रिक चुनते हैं। आप बस दिखने में सुंदर फैब्रिक खरीद लेते हैं। कीमत ज्यादा होती है तो आप और निश्चित हो जाते हैं। लेकिन अब फॉर्मल पैट के लिए फैब्रिक लेते हुए कुछ बातें ध्यान रखें- कपड़ा ऐसा हो जिसमें रिकल न पड़े। हर मौसम के लिए सूटबल हो। सर्दी के हिसाब से ही फैब्रिक लेना है तो पॉलियस्टर लीजिए। इसमें रिकल भी नहीं होते हैं और ये वॉटर



बेस्ट दिखने के लिए जरूरी है कि पैट भी शानदार हो

खास मौकों के लिए कौन सा फैब्रिक आपकी पैट के लिए है बेस्ट, जानिए इन तरीकों से

रेंसिस्टेंस भी होता है। लेकिन गर्मी में इसको पहनने से गर्मी लगती है।

कैजुअल पैट के लिए

कैजुअल पैट के लिए फैब्रिक लेना है तो ऐसी पैट होनी चाहिए जिस कितनी भी देर पहनो, आराम रहे और स्टाइल भी मेनटेन रहे। जींस लेनी है तो इसको आमतौर पर भारी फैब्रिक से बनाया जाता है हालांकि ये आरामदायक भी होता है। जॉगर्स बेहद आरामदायक होते हैं इन्हें लिनेन या कॉटन फैब्रिक पर बनाया जाना चाहिए।

कार्गो पैट के लिए

कार्गो पैट में बहुत सारा सामान रखने का विकल्प होता है साथ में ये स्टाइलिश भी लगते हैं। इसलिए इसके फैब्रिक को मजबूत भी होना चाहिए। कार्गो पैट के लिए सिंथेटिक फैब्रिक सबसे अच्छा होता है क्योंकि ये ड्यूरेबल होता है। ब्लेंडेड फैब्रिक भी इसके लिए अच्छे रहते हैं जैसे पॉलिएस्टर/ कॉटन या कॉटन/नायलॉन ट्राउजर्स की लिए ट्राउजर्स ऐसे पैट होते हैं जो फॉर्मल भी होते हैं और कैजुअल भी। इनको कई लोग ऑफिस में पहनना पसंद करते हैं तो कई हैंगआउट में। इनके लिए फैब्रिक लिनेन या कॉटन जैसा हो तो अच्छा रहता है। ये फॉर्मल और कैजुअल दोनों मौकों पर चल जाता है।



सिंपल से लहरिया सूट से में भी आप पा सकती हैं पार्टी वाला लुक



लेहरिया प्रिंट पारंपरिक भारतीय कला का एक बहुत ही खूबसूरत उदाहरण है और इसे राजस्थान और गुजरात में सबसे ज्यादा लोकप्रियता मिली हुई है। हालांकि, जैसे ही त्योहारों का मौसम आता है लेहरिया प्रिंट की साड़ी, लहंगे और सलवार सूट सभी में नई-नई वेराइटी देखने को मिलने लग जाती है। वैसे तो हम आपको साड़ी और लहंगे की पहले ही बहुत सारी डिजाइंस और वेराइटी दिखा चुके हैं। आज म आपको लेहरिया सलवार सूट सेट दिखाएंगे, जिसे आप छोटे-बड़े किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। साथ ही हम आपको इस तरह के सूट से को इस तरह से स्टाइल करना बताएंगे कि आपका सिंपल से से सिंपल सूट सेट भी स्टाइल करने पर खूबसूरत नजर आएगा और आपको बहुत अच्छा पार्टी लुक मिल जाएगा।

सिमिट्रिकल लेहरिया सूट डिजाइंस

सिमिट्रिकल कुर्ती डिजाइन आजकल काफी ट्रेंड कर रहा है और इस तरह की कुर्तियों में लेहरिया प्रिंट बहुत ज्यादा अच्छा लगता है। आपको बाजार में इस तरह के सूट सेट में एक नहीं कई डिजाइंस मिल जाएंगे। आप इस तरह के सूट को किसी भी पार्टी में कैरी कर सकती हैं। आप चाहें तो इस तरह के सूट सेट के साथ हैवी दुपट्टा कैरी कर सकती हैं।



लेहरिया सूट सेट की विशेषताएं और डिजाइन

लेहरिया एक विशेष प्रकार की छपाई तकनीक है जिसमें सूती या रेशमी कपड़े पर विभिन्न रंगों में लहराते हुए डिजाइन बनाए जाते हैं। इस तकनीक में कपड़े को रंगते समय उसके किनारों को लहराते हुए रंगा जाता है, जिससे कपड़े पर लहरिया का पैटर्न उभरता है। इस पैटर्न को महिलाएं बहुत ज्यादा पसंद करती हैं और यह बहुत ही एथनिक लुक भी देता है।



लेकिन सही तरीके से आंखों में लगे काजल को साफ नहीं करते हैं। बता दें कि रातभर काजल लगे रहने से आपकी आंखों के अंदर जा सकता है और कई तरह के आई इन्फेक्शन जैसे कंजंक्टिवाइटिस से आंखों को नुकसान पहुंच सकता है। रात को सोने से पहले आप इअरबड्स की मदद से आंखों की वॉटरलाइन में लगे काजल को सही तरीके से साफ जरूर करें।

बढ़ सकती है ड्राईनेस

डेली वियर के लिए हम अक्सर आंखों को खूबसूरत बनाने के लिए काजल का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन ज्यादा देर आंखों में काजल लगे रहने से यह ड्राईनेस पैदा कर सकता है। बता दें कि काजल में मौजूद केमिकल वॉटरलाइन में मौजूद स्किन ग्लांड्स को बंद कर देते हैं, जिससे यहां ऑयल का उत्पाद लगभग बंद हो जाता है और आंखें धीरे-धीरे ड्राई होने लगती हैं।